डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

सिनेमा- खेसारी लाल यादव का नया गाना 'ब्रांडेड लड़का' रिलीज

वर्ष -08 अंक -108 | प्रयागराज, सोमवार 04 जुलाई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अटकलों पर लगा विराम, केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता आरसीपी सिंह नहीं हुए भाजपा में शामिल

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री और जनता दल(यू) के नेता आरसीपी सिंह ने भारतीय जनता पार्टी नहीं ज्वाइन की है। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी मिली है। केंद्रीय मंत्री और जनता दल(यू) के नेता आरसीपी सिंह ने भारतीय जनता पार्टी नहीं ज्वाइन की है। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी मिली है। इस खबर के बाद उन अटकलों पर विराम लग गया है, जिनमें कहा जा रहा था कि आरसीपी सिंह भाजपा में शामिल हो गए हैं। सूत्रों ने कहा कि वे हैदराबाद में थे और कमेटी की एक बैठक में शामिल हुए थे। हालांकि उन्होंने भाजपा की सदस्यता नहीं ग्रहण की है।

पाकिस्तान में आर्थिक बदहाली से सत्ता पक्ष में पड़ी फूट, हटाए जा सकते हैं वित्त मंत्री

पाकिस्तान। सत्ताधारी पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) में शामिल प्रमुख पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) में वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल के खिलाफ आवाज तेज होने लगी है। पाकिस्तान में बढ़ते आर्थिक संकट का सियासी असर अब दिखने लगा है। सत्ताधारी पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) में शामिल प्रमुख पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) में वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल के खिलाफ आवाज तेज होने लगी है। यह चर्चा भी जोर पकड़ चुकी है कि जल्द ही उन्हें वित्त मंत्रालय से हटा कर ये जिम्मेदारी इसहाक डार को दी जा सकती है। डार अभी देश से बाहर हैं, लेकिन जल्द ही वे पाकिस्तान लौटने वाले हैं। इन चर्चाओं के बीच फिलहाल पीएमएल-नवाज के कुछ नेताओं ने इस्माइल को अपना समर्थन दिया है। उनमें रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खकन अब्बासी शामिल हैं। उन्होंने कहा है कि आर्थिक मामलों के बारे में इस्माइल की समझ बेजोड़ है और ये वक्त उनके साथ खड़ा होने का है। लेकिन पार्टी के कई दूसरे नेताओं ने देश में बढ़ रही महंगाई और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से कर्ज हासिल कर पाने की नाकामी को लेकर वित्त मंत्री की सार्वजनिक आलोचना की है। इसहाक डार को वित्त मंत्रालय देने की मांग इस्माइल ने इस मुद्दे पर पार्टी में पैदा हुए मतभेद की बात स्वीकार की है।

भारत ने नेपाल को 75 एम्बुलेंस और 17 स्कूल बसें की भेंट, नेपाल के शिक्षा मंत्री ने कही यह बड़ी बात

नई दिल्ली । काठमांडू में भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि 75 एम्बुलेंस का उपहार भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का भी प्रतीक है। इस मौके पर नवनियुक्त राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने कहा कि एम्बुलेंस और स्कूल बसों को उपहार में देना दोनों देशों के बीच मजबूत विकास साझेदारी का हिस्सा है।भारत ने पड़ोसी देश नेपाल से रिश्तों और लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और मजबूत करने के लिए रविवार को हिमालयी देश को 75 एम्बुलेंस और 17 स्कूल बसें भेंट की हैं। भारत ने स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों में नेपाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए ये मदद की है। भारत के नवनियुक्त राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल के शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री देवेंद्र पौडेल को वाहनों की चाबियां सौंपीं।

पीएम मोदी की सुरक्षा में फिर चूक कपिल सिब्बल बोले बकरीद पर गाय की कुर्बानी न दें मुस्लिम बदरुद्दीन अजमल की बड़ी अपील.....

प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर उड़ते ही कांग्रेस कार्यकर्ता ने उड़ाए काले गुब्बारे

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आंध्र प्रदेश दौरे के दौरान विजयवाड़ा में उनकी सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के हेलिकॉप्टर के उड़ान भरने के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता ने काले गुब्बारे छोड़े। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में एक बार फिर चूक का मामला सामने आया है। इस बार ये वाकया आंध्र प्रदेश दौरे के दौरान विजयवाड़ा में हुआ। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के हेलिकॉप्टर के उड़ान भरने के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता ने काले गुब्बारे छोड़े। एसपी सिद्धार्थ कौशल ने बताया कि ये घटना गननवरम एयरपोर्ट पर हुई। इस मामले में तीन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा छोड़े गए काले गुब्बारे पीएम मोदी के हेलीकॉप्टर के एकदम नजदीक थे। इसे पीएम की सुरक्षा में बड़ा चूक माना जा रहा है। गुब्बारे उड़ाते समय कांग्रेस कार्यकर्ता ' नरेंद्र मोदी गो बैक' के नारे भी लगाए। इससे पहले पंजाब

विधानसभा चुनाव से पहले पीएम के पंजाब दौरे के दौरान भी उनकी सुरक्षा में चूक का बड़ा मामला सामने आया था।गौरतलब है कि पीएम मोदी स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती समारोह में भाग लेने के लिए आंध्रप्रदेश पहुंचे थे। यहां पीएम ने कांस्य की बनी उनकी प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा, 'आंध्र की इस धरती की महान आदिवासी परंपरा को, इस परंपरा से जन्मे सभी महान क्रांतिकारियों और बलिदानियों को भी आदरपूर्वक नमन करता हूं। सीताराम राजू गारू की 125वीं जन्मजयंती व रम्पा क्रांति की 100वीं वर्षगांठ को पूरे साल मनाया जाएगा।' युवाओं के लिए उत्तम अवसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, स्वतंत्रता आंदोलन में देश की आजादी के लिए युवाओं ने आगे आकर नेतृत्व किया था। आज नए भारत के सपनों को पूरा करने के लिए युवाओं के पास सबसे उत्तम अवसर है। देश में नए आयाम खुल रहे हैं। नई सोच है और नई संभावनाएं जन्म ले रही हैं। दूसरा बारदोली कहलाता है आंध्र का भीमावरम आंध्र प्रदेश का भीमावरम दूसरा बारदोली कहलाता है। 1920 में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया था। इससे भीमावरम में राष्ट्रवाद की भावना जागी और इस छोटे से शहर के लोगों ने अंग्रेज सरकार को टैक्स देना बंद कर दिया। इस शक्तिशाली विद्रोह की सूचना मिलने पर गांधी जी ने भीमावरम का जिक्र अपनी पत्रिका 'हरिजन' में दूसरे बारदोली (गुजरात) आंदोलन के रूप में किया था।

'न्यायपालिका की स्थिति से निराश हूं, मेरा सिर शर्म से झुक जाता है'

नई दिल्ली । भाजपा नीत केंद्र सरकार पर पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि संस्थानों का गला घोंटकर आपातकाल लागू कर दिया गया है। कानून के राज का रोज

हनन हो रहा है। कांग्रेस के पूर्व नेता और वरिष्ठ वकील तथा राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने देश में न्यायपालिका की मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने रविवार को कहा कि संस्था के कुछ सदस्यों ने हमें निराश किया है। हाल फिलहाल में जो कुछ हुआ है उससे 'मेरा सिर शर्म से झुक जाता है।' सिब्बल ने कहा कि हाल के वर्षों में अभिव्यक्ति की आजादी की सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह व्याख्या की है, उसे दुर्भाग्य से वह जगह नहीं मिली है, जो इसे संवैधानिक रूप से प्रदत्त है। भाजपा नीत केंद्र सरकार पर पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि संस्थानों का गला घोंटकर आपातकाल लागू कर दिया गया है। कानून के राज का रोज हनन हो रहा है। सरकार सिर्फ कांग्रेस मुक्त भारत नहीं बल्कि विपक्ष मुक्त भारत चाहती है। ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी को लेकर सिब्बल ने कहा कि इससे ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि न्यायपालिका के कुछ सदस्यों ने हमें निराश किया। जुबैर की गिरफ्तारी और दिल्ली की एक अदालत द्वारा उसकी जमानत मंजूर नहीं करने पर कहा कि चार साल पहले किए ऐसे ट्वीट के लिए गिरफ्तार करना समझ से परे है। उस ट्वीट का कोई सांप्रदायिक असर भी नहीं हुआ था। सिब्बल का सवाल- कानून के शासन के उल्लंघन की अनुमति क्यों सिब्बल इन दिनों ब्रिटेन में हैं।

असम। असम के प्रमुख इस्लामी संगठन 'ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट' के प्रमुख व सांसद बदरुद्दीन अजमल ने मुसलमानों से बकरीद पर गाय की कुर्बानी नहीं

देने की अपील की है।बकरीद 10 जुलाई को मनाए जाने की संभावना है। प्रमुख इस्लामी संगठन जमीयत उलेमा की असम इकाई ने मुसलमानों से ईद-उज-अजहा या बकरीद पर गायों की कुर्बानी नहीं देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत न हों। संगठन की राज्य इकाई के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि कुर्बानी बकरीद त्योहार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए गायों के अलावा अन्य जानवरों की बलि दी जा सकती है। असम के राजनीतिक दल ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआइ्यूडीएफ) के अध्यक्ष अजमल ने बयान जारी कहा कि 'हिंदुओं का सनातन धर्म गाय को मां मानता है और उसकी पूजा करता है। हमें उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं करना चाहिए। इस्लामी मदरसे दारुल उलूम देवबंद ने 2008 में एक सार्वजनिक अपील की थी कि बकरीद पर गाय की कुर्बानी न दी जाए। मदरसे ने कहा था कि गाय की ही बलि अनिवार्य नहीं। असम की धुबरी से सांसद अजमल ने कहा कि वह यह अपील दोहरा रहे हैं कि बकरीद पर गाय के बजाय किसी अन्य जानवर की बलि दें, ताकि देश की बहुसंख्यक आबादी की धार्मिक भावना को ठेस न पहुंचे।

डीएमके सांसद राजा की पीएम मोदी और अमित शाह को चेतावनी, कहा- अलग तमिल राष्ट्र की मांग के लिए मजबूर ना करें

नई दिल्ली । रविवार को शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों की एक पार्टी बैठक की गई थी। इसमें राज्य के सीएम एमके स्टालिन भी मौजूद थे। उनकी मौजूदगी में ए राजा ने ये बातें कहीं। उन्होंने आगे कहा कि जब तक तमिलनाडु को पूर्ण स्वायत्तता नहीं मिल जाती तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी। अपने बयानों को लेकर विवादों में रहने वाले डीएमके नेता ए राजा ने एक बार फिर न केवल तमिलनाडु बल्कि देश की राजनीति में हलचल मचा दी है। उन्होंने रविवार को नामक्कल में एक ऐसा बयान दे दिया जिसको लेकर विपक्ष उन पर हमलावर है। यहां आयोजित एक पार्टी कार्यक्रम में उन्होंने केंद्र सरकार को चेतावनी दी है। द्रमुक नेता ए राजा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चेतावनी देते हुए कहा कि वह तमिलनाडु को स्वायत्तता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि उन्हें अलग तमिल राष्ट्र की मांग करने के लिए मजबूर ना किया जाए। उनके इस बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। ए राजा ने दी चेतावनी दरअसल, रविवार को शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों की एक पार्टी बैठक की गई थी। इसमें राज्य के सीएम एमके स्टालिन भी मौजूद थे। उनकी मौजूदगी में ए राजा ने ये बातें कहीं। उन्होंने आगे कहा कि जब तक तमिलनाडु को पूर्ण स्वायत्तता नहीं मिल जाती, तब तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी। करने वालों पर कार्रवाई होगी। कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्मार्टफोन से भी कम कीमत वाला लैपटॉप मिलेगा, किफायती बजट के साथ आरडीपी ने बनाई रणनीति

नई दिल्ली । डीआईडब्लूयू को 2015 में देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और नॉलेज इकोनॉमी में बदलने के नजरिए से लॉन्च किया गया था। स्मार्टफोन से भी कम कीमत वाला भारत का सबसे किफायती लैपटॉप डिजिटल इंडिया वीक 2022 में प्रमुख आकर्षणों में से एक होगा, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 जुलाई को गांधीनगर में करेंगे। जब कंप्यूटिंग डिवाइस, लैपटॉप या डिजिटल भारत में लाखों लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्मार्टफोन एक चुनौती बन गया है, हैदराबाद स्थित एक कंपनी यहां अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेगी जिसमें एक लैपटॉप 20,000 रुपये की कीमत पर और टैबलेट 5000 रुपये में मिलेगा। डिजिटल इंडिया वीक डिजिटल इंडिया वीक (3ई) के 2022 संस्करण का विषय 'कैटालाइजिंग न्यू इंडियाज टेकैड'

है। डीआईडब्लूयू को 2015 में देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और नॉलेज इकोनॉमी में बदलने के नजरिए से लॉन्च किया गया था। भारत को इस साल दिसंबर में जी20 की अध्यक्षता मिल रही है, और 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह एक ऐसी पहल है जिसे सरकार विश्व स्तर पर साझा करने की इच्छुक है, ताकि डिजिटल प्रौद्योगिकी में भारत के नेतृत्व और डिजिटल बदलाव परियोजनाओं को लागू करने का अनुभव प्रदर्शित किया जा सके। डीआईडब्लूयू 2022 में तीन दिन का ओरिएंटेशन कार्यक्रम होगा- ठइंडिया स्टैक नॉलेज एक्सचेंजः शोकेसिंग इंडिया स्टैक एंड इंडियाज डिजिटल प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेजठ, जो 7 जुलाई से 9 जुलाई 2022 तक होना है। यहां अपने उत्पाद प्रदर्शित करने वाली हैदराबाद स्थित कंपनी आरपीडी के सेल्स उपाध्यक्ष राजेश मल्लुमपल्ली कहते हैं, यहां कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है क्योंकि खरीदने की क्षमता ही सवीच्च प्राथमिकता है। इसी तरह हम एक लैपटॉप, ऑल इन वन, डेस्क पीसी, सर्वर, वर्कस्टेशन उपभोक्ता के बजट के अनुरूप दे सकते हैं।

विधानसभा में बहुमत हासिल करने के बाद सीएम शिंदे हुए भावुक

नई दिल्ली ।मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पहले मुझे एमवीए सरकार में सीएम बनाया जाना था लेकिन बाद में अजीत दादा ने कहा कि मुझे सीएम नहीं बनाया जाना चाहिए। मुझे कोई दिक्कत नहीं हुई और मैंने उद्धव जी से कहा कि आगे बढ़ो। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पहले मुझे एमवीए सरकार में सीएम बनाया जाना था लेकिन बाद में अजीत दादा ने कहा कि मुझे सीएम नहीं बनाया जाना चाहिए। मुझे कोई दिक्कत नहीं हुई और मैंने उद्धव जी से कहा कि आगे बढ़ो। महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत हासिल करने के बाद अपने परिवार को याद करते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि ठजब मै ठाणे में शिवसेना पार्षद के रूप में काम कर रहा था, मैंने अपने 2 बच्चों को खो दिया और सोचा कि सब कुछ खत्म हो गया है मैं टूट गया था लेकिन आनंद दीघे साहब ने मुझे राजनीति में बने रहने के लिए मना लिया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पहले मुझे महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार में सीएम बनाया जाना था लेकिन बाद में अजीत दादा (अजीत पवार) या किसी ने कहा कि मुझे सीएम नहीं बनाया

जाना चाहिए। मुझे कोई दिक्कत नहीं हुई और मैंने उद्धव जी से कहा कि आगे बढ़ो और मैं उनके साथ हूं। मैंने उस पद (सीएम) पर कभी नजर नहीं डाली। बाला साहेब की वोटिंग पर छह साल किसने लगाया प्रतिबंध' शिंदे ने कहा, हम शिवसैनिक हैं और हमेशा बालासाहेब और आनंद दिघे के शिवसैनिक रहेंगे। मैं आप सभी याद दिलाना चाहता हूं कि वहां कौन था जिसने बालासाहेब के वोटिंग पर छह साल का प्रतिबंध लगाया था। शिंदे ने आगे कहा, मैं देवेंद्र फडणवीस जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मुझे (पिछली सरकार में) मंत्री के रूप में काम करने का मौका दिया और मैं समृद्धि महामार्ग परियोजना पर काम कर सका। ईंधन पर वैट कम करेगी महाराष्ट्र सरकारः एकनाथ शिंदे शिंदे ने कहा कि उनकी सरकार ईंधन पर वैट (मूल्य संवर्धित कर) जल्द ही कम करेगी। शिंदे ने विश्वास मत जीतने के बाद एक चर्चा का जवाब देते हुए सदन को सूचित किया कि ईंधन पर वैट कम करने का निर्णय राज्य मंत्रिमंडल में लिया जाएगा।

पुलिस चौकी में युवक की पिटाई का मामला

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। पुलिस की पिटाई से गंभीर रूप से घायल हुआ युवक, घायल युवक पुष्पराज भारतीय को स्वरूपरानी मंडलीय चिकित्सालय में कराया गया भर्ती, इमरजेंसी मेडिसिन में डॉक्टरों ने किया भर्ती पुलिस पिटाई का मामला उच्चाधिकारियों को मिला तो कराई जा रही है जांच, जांच रिपोर्ट के आधार पर चौकी प्रभारी के ऊपर की जाएगी विभागीय कार्रवाई पति पत्नी के विवाद में पुलिस पुष्पराज भारतीय को आने लेकर गई, पति पत्नी के विवाद में मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस से की है शिकायत, पुष्पराज भारतीय के परिजनों का आरोप, मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस को पैसा देकर पुष्पराज को पिटवाया घूरपुर थाना क्षेत्र के करमा चौकी में हुई पुष्पराज की पिटाई।

प्रयागराज तहसील बारा में संपन्न हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

(आधुनिक समाचार सेवा)
राकेश मिश्रा

प्रयागराज। सुबह से ही संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की लगी रही लाइन वही अधिकतर

राजस्व विभाग से जुड़े ही प्रार्थना पत्र देखने को मिला कुछ प्रार्थना पत्रों को उप जिलाधिकारी 12 के द्वारा निस्तारण किया गया वहीं कुछ प्रार्थना पत्रों को विभागीय अधिकारियों को सौंपा गया वहीं इसी क्रम में पिपरावं ग्राम सभा का एक मामला आदिवासी बस्ती का आया हुआ था जिस को संज्ञान में लेते हुए उप जिला अधिकारी 12 ने जल्द से जल्द निस्तारण करने के लिए आश्वासन दिया वही इसी क्रम में उपस्थित रहे एडीओ प्रशासन प्रयागराज क्षेत्राधिकारी बारा संतलाल सरोज तहसीलदार गणेश शंकर तिवारी नायब तहसीलदार रविकांत द्विवेदी सीएससी जसरा तरुण पाठक व बारा लालापुर शंकरगढ़ कौंधियारा के समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

विशेष लोक अदालत ने किया 12 पंच निर्णय वादों का निस्तारण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नीरज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आज रविवार को पूर्वान्ह 10 बजे से पंच निणर्य के निष्पादन वादों से सम्बन्धित मामलों को समझौते के आधार पर निपटाने के लिये विशेष लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय परिसर में किया गया। पंच निणर्य निष्पादन वादों के सन्दर्भ में माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय के निर्देशानुसार समस्त अपर जिला जज द्वारा अपने-अपने न्यायालयों में लम्बित आर्बिट्रेशन के वादों का निस्तारण किया गया। विशेष लोक अदालत में जनपद न्यायाधीश संजय शंकर पाण्डेय द्वारा कुल 05 वादों का निस्तारण किया गया। अन्य में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सन्तोष कुमार तिवारी द्वारा 06 वादों का निस्तारण एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय आलोक द्विवेदी द्वारा 01 वाद निस्तारण किया गया। इस प्रकार से विशेष लोक अदालत में कुल 12 आर्बिट्रेशन वादों का सफल निस्तारण किया गया। लोक अदालत में समस्त पीएलवी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बकरीद एवं कांवड़ पर सीओ ने की बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। थाना फूलपुर परिषर में बकरीद एवं आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर कस्बा एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के साथ एक अहम बैठक की। सीओ फूलपुर राम सागर ने तहजीब बनाए रखें। थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय ने कुछ संवेदनशील स्थल बाबूगंज भुलाई का पुरा, मैलहन रोड, बुढ़िया का इनारा आदि पर 3 दिन कुर्बानी का मीट ले जाने हेतु पीआरबी 112 की तैनाती की घोषणा की। ताकि

कहा। कि प्रतिबंधित पशु की कुर्बानी ना हो, इसका सख्ती से पालन करें। कुर्बानी का गोश्त ढंक कर अपने घर ले जाएं। कांवड़ वाले शालीनता से कांवड़ यात्रा करें। कहीं किसी प्रकार हुड़दंग ना हो, बल्कि कई जगह खाने पीने तथा चाय नाश्ते के स्टाल बाबूगंज से लेकर तहसील गेट तक लगते हैं। वहां आराम करें भोजन आदि लें। अपने गनतब्य पर जल लेकर जाएं। मुस्लिम भाई भी कौमी एकता तथा गंगा जमुनी लोग सुरक्षित कुर्बानी का मीट अपने घरों तक ले जा सके। 3 दिन पुलिस गश्त पूरे क्षेत्र में तेजी से करती रहेगी। कार्यक्रम में पूर्व नगर अध्यक्ष अमरनाथ यादव, सुरेश कुमार बाबा, आलोक गुप्ता, बलवंत मौर्य, रोहित केसरी, चंचल पांडेय, अनिल मौर्य, अनीस अहमद एडवोकेट, मोहम्मद मुनतजर, सद्दाम भाई, अलीशेर, इस्लाह अहमद, बबलू प्रधान, आबिद प्रधान, अरशद उल्ला, आसिफ आदि लोग मौजूद रहे।

35 करोड़ वृक्षारोपण कार्यक्रम के संबंध में मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त मण्डलायुक्तों, जिलाधिकारियों एवं नोडल अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)

लखनऊ। प्रदेश सरकार के सौ दिन पूरे होने के अवसर पर वन महोत्सव के तहत 35 करोड़ वृक्षारोपण कार्यक्रम के सम्बंध में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक सम्पनन हुई। बैठक को

संबोधित करते हुए यूपी के मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि पर्यावरण को बचाने की प्रतिबद्धता की पहल में वन महोत्सव कार्यक्रम सरकार का एक बड़ा महत्वपूर्ण उत्सव है। मुख्यमंत्री जी की अपेक्षा है कि 5 जुलाई को यह महाभियान जनांदोलन बने। मुख्यमंत्री जी स्वयं चित्रकूट में वृक्षारोपण करेंगे। माननीय राज्यपाल महोदया लखनऊ रहेंगी। इसके साथ ही प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम क्रमशः प्रयागराज और अयोध्या में वृक्षारोपण करेंगे। उन्होंने अभियान पर अब तक की तैयारी पर प्रसनन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि पांच जुलाई को हर व्यक्ति वृक्षारोपण करता दिखेगा। आप सबका उत्साह देखकर लगता है कि सबके सामूहिक प्रयास से हम अपने निर्धारित 35 करोड़ वृक्षारोपण के लक्ष्य से अधिक को प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा स्पष्ट निर्देश दिये गये है कि रोपित पौधों की सुरक्षा एवं सिंचाई व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया जाये। इसके साथ ही समस्त वृक्षारोपण स्थलों की जियो टैगिंग भी की जाए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि वृक्षारोपण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार हो। सभी नोडल अधिकारियों की देखरेख में कार्यक्रम की तैयारी, चयनित स्थल पर स्थानीय मृदा जलवायु के अनुरूप प्रजातियों का चयन एवं पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु समुचित तैयारियां ससमय पूर्ण कर ली जाए। इसके लिए नोडल ऑफिसर द्वारा प्रतिदिन माइक्रो लेवल पर रिव्यू जरूरी है। मुख्य सचिव ने कहा कि शक्ति वन निर्माण में महिलाओं का अधिक से अधिक सहयोग लिया जाए। प्राचीन काल से ही आदि शक्ति की उपासना में नीम के पेड़ का बड़ा महत्व है, नीम के के पेड़ के इर्दगिर्द लाल और पीले फूल के पेड़ लगाए जाएं। रामायणकालीन से जुड़े स्थलों में राम वन, महाभारतकालीन स्थलों पर राधा वन, कृष्ण वन विकसित किए जाएं। इसी प्रकार से काशी में महादेव, विश्वनाथ वन, महोबा में शारदा के परम उपासक आल्हा ऊदल की स्मृति में उनके नाम से वन विकसित किए जाएं। नगर वन, बाल और युवा वन निर्माण में बड़े पैमाने पर बच्चों और युवाओं के सहयोग से निर्मित किया जाए जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति युवा पीढ़ी का रुझान बढ़े। बड़ी संख्या में अमृत सरोवरों, नदियों, नहरों, सड़कों, रेलवे लाइन के किनारे पेड़ लगने हैं। साथ ही किसान सम्मान निधि लाभार्थी कृषकों द्वारा एग्रोफॉरेस्ट्री, खाद्य वन और इंडस्ट्रियल एरिया में मियावाकी पद्धति से वन विकसित किए जाने हैं इसके लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित कर इस महाअभियान से जोड़ा जाए। इसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों, सरकारी, गैर सरकारी संगठनों, संस्थानों, सामाजिक संगठनों, ज्यूडिशरी, वकीलों, व्यापारियों, सरकारी, गैर सरकारी विद्यालयों, स्वयं सहायता समूहों, युवक मंगल दलों, एनसीसी आदि संगठनों का सहयोग लिया जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव वन समेत समस्त सभी कमिशनर, डीएम और नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने इन सभी अधिकारियों से संवाद कर वन महोत्सव कार्यक्रम को लेकर अब की तैयारियों का जायजा और सुझाव लिए और सभी को कार्यक्रम की सफलता की शुभकामनाएं।

राजस्व ग्रामों में खतौनी के पुनरीक्षण व खातेदारों के गाटों का होगा अंश निर्धारण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़ जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि वर्ष 1430 फसली रोस्टर में आये समस्त तहसीलों के सूची में उल्लिखित राजस्व ग्रामों में खतौनी के पुनरीक्षण व खतौनी में अंकित प्रत्येक खातेदार सहखातेदार के गाटों के अंश का निर्धारण करने हेतु समय सारिणी जारी कर दी गयी है। समय सारिणी के अनुसार तहसील सदर के 67 गांव, तहसील कुण्डा के 88 गांव, तहसील पट्टी के 83 गांव, तहसील लालगंज के 66 गांव तथा तहसील रानीगंज के 50 गांव के खतौनी पुनरीक्षण एवं अंश निर्धारण कार्यक्रम का संचालन प्रारम्भ करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। उन्होने बताया है कि जुलाई माह से 31 अगस्त 2022 तक खतौनी में दर्ज खातेदारों/सहखातेदारों के खातावार एवं गाटा नम्बरवार अंश को प्रारम्भिक रूप से सहखातेदार एवं राजस्व समिति के परामर्श से लेखपाल द्वारा आकार पत्र ख0पु0-2 में तैयार किया जायेगा। दिनांक 01 सितम्बर से 30 सितम्बर तक लेखपालों द्वारा खतौनी में दर्ज सहखातेदारों के गाटा नम्बरवार प्रस्तावित अंश के उद्धरण को आकार पत्र ख0पु0-3 में तैयार किया जायेगा व राजस्व निरीक्षक द्वारा समस्त खातेदारों/सहखातेदारों को आर0सी0 प्रपत्र-8 में नोटिस जारी कर लेखपाल के माध्यम से तामील कराया जायेगा। दिनांक 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक खातेदारों/सहखातेदारों के द्वारा प्रारम्भिक रूप से किये गये अंश निर्धारण के विरूद्ध आपत्ति/शुद्धीकरण आकार पत्र ख0पु0-3 में विवरण अंकित करते हुये यथावश्यक अभिलेखों/प्रमाणों सहित सम्बन्धित लेखपाल अथवा राजस्व निरीक्षक अथवा रजिस्ट्रार कानूनगो को प्राप्त कराया जायेगा। दिनांक 01 नवम्बर से 30 नवम्बर तक राजस्व निरीक्षक द्वारा ग्राम राजस्व समिति के परामर्श/स्थानीय जांच पड़ताल एवं पक्षों के मध्य सुलह समझौते के आधार पर आपत्तियों का निस्तारण कर अंश निर्धारण आदेश पारित करेगा। दिनांक 01 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक खातेदार/सहखातेदार के अनिस्तारित आपत्तियों को राजस्व संहिता की धारा 116 के अन्तर्गत उपजिलाधिकारी को निणर्य हेतु अग्रसारित किया जायेगा।

सीओ फूलपुर एवं आबकारी निरीक्षक नेहा सिंह ने शराब की दुकानों का किया औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। फूलपुर के सीओ रामसागर एवं आबकारी निरीक्षक नेहा सिंह ने देर शाम फूलपुर कोडापुर, कोनार,

मैलहन आदि स्थानों पर सरकारी देसी शराब के ठेकों पर औचक निरीक्षण किया। इस संबंध में सीओ फूलपुर राम सागर ने बताया। कि दुकानों पर नकली शराब की बिक्री की शिकायतें आने पर औचक निरीक्षण किया जा रहा है। हालांकि किसी भी दुकान पर ऐसी कोई भी चीज नहीं मिली। परंतु शिकायत पर सभी दुकानों की जांच जरूरी थी। मैलहन की दुकान पर तो दोनों अधिकारी के सामने शराब खरीदने वालों की लाइन लगी थी। परंतु सीओ फूलपुर ने उन्हें स्वयं लाइन में लगकर शराब लेने और घर चले जाने को कहा तथा वहां पर उपस्थित लोगों से ठेके पर बेवजह भीड़ ना एकत्रित होने की हिदायत भी दी।

इच्छुक संगठन/स्वैच्छिक संस्था दिव्यांगजन वित्तीय सहायता हेतु सम्बंधित श्रेणी का आवेदन पत्र पूर्ण कर 15 जुलाई तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें- जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारीष्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्री नन्द किशोर याज्ञिक ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा राज्य निधि मद की धनराशि से सरकारी संगठनों/स्वैच्छिक संस्थाओं/दिव्यांगजनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र मॉगे गये हैं। वित्तीय सहायता हेतु श्रेणियां निर्धारित की गयी है, जिसके अन्तर्गत 1. दिव्यांगजन द्वारा बनाये गये चित्रों, हस्तकला आदि सहित उत्पादों को प्रर्दशित करने लिए प्रदर्शनी एवं कार्यशालाओं हेतु वित्तीय सहायता 2. दिव्यांगजन जिनका खेल/ललित कला/संगीत/नृत्य/फिल्म /थियेटर/साहित्य जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रर्दशन हो, उन्हें राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय आयोजनों में प्रतिभाग किये जाने एवं खेल आयोजन हेतु वित्तीय सहायता 3. दिव्यांगजनों के दैनिक जीवन की गतिविधियों को बेहतर बनाने के लिए बेंच मार्क दिव्यांगता के व्यक्तियों को उच्च सहायता वाले उपकरण (पुप् एल्ज्ज्दू ना् घ्ह्लैल्सहू) क्रय हेतु वित्तीय सहायता 4. ऐसे दिव्यांगजन जो गम्भीर बीमारियों यथाः- कैसर, थैलीसीमिया, प्लास्टिक एनीमिया, बहुस्केलोरोसिस से ग्रसित हो अथवा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से आच्छादित न हों, को चिकित्सा हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र मांगे गये है। श्रेणी 1 एवं 2 अंतर्गत जनपद के सरकारी संगठन या सोसाइटी अधिनियम/कम्पनी अधिनियम/ट्रस्ट अधिनियम/पी0डब्लू0डी0 एक्ट-2016 अंतर्गत पंजीकृत संगठन जिनका विपणन उत्पादों/चित्रों की प्रर्दशनी/कार्यशालाओं के आयोजन में कम से कम दो वर्ष का अनुभव हो एवं श्रेणी-2 से 4 अंतर्गत दिव्यांगजन स्वयं आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक संगठन/संस्था/दिव्यांगजन सम्बन्धित श्रेणी का निर्धारित आवेदन पत्र पूर्ण कर दिनांक 15 जुलाई, 2022 तक विकास भवन में कक्ष संख्या-13 स्थित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। राज्य निधि मद अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु निर्धारित श्रेणी/पात्रता की शर्ते एवं आवेदन पत्र का प्रारूप किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

मंडलायुक्त ने संपूर्ण समाधान दिवस के उपलक्ष में तहसील सदर का निरीक्षण कर जन शिकायतों की सुनवाई की

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। मंडलायुक्त श्री संजय गोयल ने पुलिस महा निरीक्षक डॉ राकेश सिंह के साथ संपूर्ण समाधान

दिवस के उपलक्ष में तहसील सदर का निरीक्षण कर जन शिकायतों की सुनवाई की। जन सुनवाई के दौरान प्राप्त कई शिकायती पत्रों को स्वयं देखते हुए मंडलायुक्त ने सभी शिकायतों के शीघ्र निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस टीम को जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कुल 123 जन शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 3 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इस अवसर पर मंडलायुक्त ने तहसील में बने शौचालयों का भी निरीक्षण किया तथा साफ सफाई की समुचित व्यवस्था ना पाए जाने पर एसडीएम सदर को तत्काल कार्यवाही करते हुए महिलाओं एवं पुरुष हेतु अलग-अलग शौचालयों की व्यवस्था करने एवं सभी जगह समुचित सफाई व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पास में बने सुलभ शौचालय में भी समुचित साफ़ सफाई ना पाए जाने पर वहां के इंचार्ज को भी फटकार लगाई। साथ ही आम जनमानस हेतु तहसील में पीने के पानी की भी समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी श्री मदन कुमार, पुलिस अधीक्षक नगर, श्री दिनेश सिंह समेत अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्र:** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रिया:** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयु:** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करे:** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोट: आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पास:** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्ति:** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथि: 15 जुलाई 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपलबध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

मंडल रेल प्रबंधक परिक्षेत्र मे आजादी का अमृत महोत्सव की धूम:रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने जल-सेवा अभियान चलाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया (वाराणसी)। आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा वाराणसी मंडल के विभिनन स्टेशनों पर 01 जुलाई

से 5 जुलाई तक आजादी का अमृत महोत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है । इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री रामाश्रय पाण्डेय के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डा0अभिषेक के नेतृत्व में आज रविवार को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बनारस द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बनारस स्टेशन पर यात्रियों के लिए रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा जल-सेवा अभियान चलाया गया जिसमें प्यासे यात्रियों को प्लेटफार्म एवं रेल कोचों में पीने का पानी उपलब्ध कराया गया। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान रेलवे सुरक्षा बल की वाराणसी सिटी टीम द्वारा रेलवे स्टेशन वाराणसी सिटी एवं रेलवे कॉलोनी में स्वच्छता अभियान चलाया गया साथ ही एकत्रित व्यक्तियों को अपना पर्यावरण साफ सुथरा रखने के बारे में जागरूक करते हुए स्वच्छता शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा आज 03 जुलाई को रेल सुरक्षा बल पोस्ट औड़िहार द्वारा रेलवे स्टेशन औड़िहार के सर्कुलेटिंग एरिया से मेन रोड तक आरपीएफ एवं आरपीएसएफ द्वारा एकता दौड़ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी क्रम में वाराणसी मंडल के गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर आज रविवार को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गाजीपुर सिटी द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर गाज़ीपुर सिटी स्टेशन आरपीएफ बैरक के आस पास वृक्ष रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ज्ञातव्य हो की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वाराणसी मंडल पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ अभिषेक के नेतृत्व में रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम की जानकारी अशोक कुमार जनसम्पर्क अधिकारी वाराणसी ने दी है।

श्रृंगार गौरी प्रकरण में मुस्लिम पक्ष नहीं रख पाया पूरी दलीलें, अब 12 जुलाई को होगी सुनवाई

वाराणसी। ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी प्रकरण में जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में सोमवार को सुनवाई हुई। अदालत में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ऑर्डर 7 रूल 11 के तहत वाद सुनवाई योग्य है या नहीं पर बहस हुई। अगली सुनवाई अब 12 जुलाई को होगी। वाराणसी के ज्ञानवापी स्थित श्रृंगार गौरी के नियमित दर्शन और अन्य देव विग्रहों को संरक्षित करने के मामले में ग्रीष्मावकाश के बाद सोमवार को सुनवाई हुई। राखी सिंह समेत पांच महिलाओं की तरफ से दाखिल वाद पर जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में सुनवाई हुई। इसमें आज मुस्लिम पक्ष ने अपनी दलीलें रखीं। इसके बाद अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 12 जुलाई तय कर दी। अदालत में लगभग सवा घंटे सुनवाई चली। अदालत में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ऑर्डर 7 रूल 11 के तहत वाद सुनवाई योग्य है या नहीं पर बहस हो रही है। सोमवार को मुस्लिम पक्ष अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की ओर से अधिवक्ता अभय यादव ने कोर्ट में दलीलें दीं। वादपत्र में दाखिल 51 बिंदुओं पर आपत्ति को सिलसिलेवार कानूनी ढंग से कोर्ट में स्पष्ट किया। अब इस मामले में कोर्ट 12 जुलाई को सुनवाई करेगा।मुस्लिम पक्ष भी बाकी बचे बिंदुओं पर उसी दिन अपनी दलीलें रखेगा। हिंदू पक्ष के वकील के अनुपम द्विवेदी ने बताया कि अगली तारीख पर अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की

दलीलें पूरी हो जाएंगी। इसके बाद हिंदू पक्ष के अधिवक्ता वाद के समर्थन में दलीलें पेश कर स्थिति स्पष्ट करेंगे कि वाद पोषणीय है और विशेष धर्म उपासना स्थल विधेयक 1991 लागू नहीं होगा। अदालत में लगभग सवा घंटे सुनवाई चली। सुनवाई के दौरान अंजुमन की तरफ से अभयनाथ यादव के अलावा रईस अहमद, मुमताज अहमद,एखलाक अहमद, मिराजुद्दीन सिद्दीकी और पांच वादी महिलाओं की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर जैन, विष्णु जैन, मानबहादुर सिंह, सुधीर त्रिपाठी, सुभाष नंदन चतुर्वेदी, अनुपम द्विवेदी समेत अदालत कक्ष में 50 लोगों को जाने की अनुमति थी।अदालत कक्ष के बाहर काफी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। इधर, वादी राखी सिंह की तरफ से अधिवक्ता हरिशंकर जैन, सुधीर त्रिपाठी, सुभाष नंदन चतुर्वेदी और मदनमोहन यादव को हटाने के लिए आवेदन दिया गया। कोर्ट में वादिनी राखी सिंह के पैरोकार जितेंद्र सिंह विसेन और अन्य वादिनीगण भी मौजूद रहे। दिल्ली की राखी सिंह व वाराणसी की लक्ष्मी देवी, सीता शहू, मंजू व्यास व रेखा पाठक की ओर से दायर याचिका पर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत ने ज्ञानवापी परिसर में सर्वे और वहां वजूखाने में दावे वाले शिवलिंग को सील करने का आदेश दिया था। अंजुमन इंतजामिया ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इस पूरे मामले की पोषणीयता पर सुनवाई सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि कुमार दिवाकर की अदालत से जिला जज की अदालत में मामला ट्रांसफर कर दिया गया था। जिला जज की अदालत में 26 मई से 30 मई तक सुनवाई चली थी। ग्रीष्मावकाश के चलते सुनवाई चार जुलाई तक टल गई थी। 30 मई के बाद इस मामले में आज सुनवाई हुई। 30 मई को भी मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता ने अपना पक्ष रखा था। इससे पहले मसाजिद कमेटी के अधिवक्ताओं ने दलील दी थी कि विशेष धर्म उपासना स्थल विधेयक 1991 यहां लागू होगा, जिसमें आजादी के समय धार्मिक स्थल की जो स्थिति थी, वही रहेगी। जबकि हिंदू पक्ष की दलील है कि यहां विशेष धार्मिक उपासना स्थल काननू लागू नहीं होगा, क्योंकि यहां आजादी के बाद भी श्रृंगार गौरी की पूजा होती थी। अंजुमन इंतजामिया के अधिवक्ता अभय नाथ यादव वाद की पोषणीयता पर सवाल उठाते हुए आपत्ति में दर्शाए गए 52 में से 39 बिंदुओं पर अपनी दलीलें पेश कर चुके हैं। उनकी दलील अभी जारी है। 12 जुलाई को अब सुनवाई होगी।

प्रवेश परीक्षा में 11 दिन बाकी एडमिट कार्ड इसी हफ्ते होगा जारी, जानें कैसे करें डाउनलोड

वाराणसी। बीएचयू समेत अन्य विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए एनटीए की ओर से कराई जाने वाली कॉमन यूनिवर्सिटी इंट्रेस टेस्ट (सीयूईटी) यूजी के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 15 जुलाई से प्रवेश परीक्षा कराने की तिथि भी घोषित की जा

चुकी है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में यूजी में दाखिले की तैयारी में लगे अभ्यथिर्यों को अब 15 जुलाई से होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र का इंतजार है। अब जबकि परीक्षा में केवल 11 दिन का समय बचा है, ऐसे में प्रवेश पत्र कब से मिलेगा, इस बारे में एनटीए की वेबसाइट पर कोई जानकारी नहीं है। हालांकि संभावना है कि सीयूईटी यूजी 2022 एडमिट कार्ड इसी हफ्ते जारी कर दिया जाएगा। प्रवेश परीक्षा के अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट म्ू.ैर्ूं.म.ग्ह या र्हूं.म.ग्ह पर विजिट कर एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए अभ्यर्थी अपने पास एप्लीकेशन नंबर तैयार रखें। प्रवेश परीक्षा की विस्तृत समय सारिणी का भी इंतजार विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए एनटीए की ओर से कराई जाने वाली कॉमन यूनिवर्सिटी इंट्रेस टेस्ट (सीयूईटी) यूजी के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 15 जुलाई से प्रवेश परीक्षा कराने की तिथि भी घोषित की जा चुकी है। 10 अगस्त तक अलग-अलग दिनों में सीबीटी (कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट) माध्यम से होने वाली प्रवेश परीक्षा की विस्तृत समय सारिणी भी अब तक नहीं जारी हो सकी। एनटीए की ओर से वेबसाइट पर जो जानकारी दी गई है, उसके अनुसार अंग्रेजी, हिंदी, गुजराती, कनन्ड़, मलयालम समेत 13 भाषाओं में होने वाली परीक्षा के लिए देश के 547 शहरों में केंद्र बनाए जाने हैं।

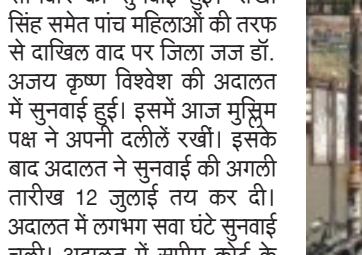

जौनपुर में बड़ा सड़क हादसा, फोरलेन बाईपास पर फत्तूपुर गांव के पास ट्रक पिकअप की टक्कर, तीन की मौत

जौनपुर । बदलापुर कोतवाली इलाके के वाराणसी-लखनऊ फोरलेन हाइवे पर मंगलवार की भोर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, जौनपुर में बदलापुर कोतवाली इलाके के वाराणसी- से आ रही तेज रफ्तार ट्रक में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोगों की घटना स्थल पर मौत

लगभग तीन बजे के ट्रक और पिकअप में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने लखनऊ फोरलेन हाइवे पर मंगलवार की भोर लगभग तीन बजे के ट्रक और पिकअप में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। रात में एक पिकअप गाड़ी टेम्पो ट्रैवलर को टोचन कर लखनऊ की तरफ जा रही थी, जैसे ही वह फत्तूपुर गांव स्थित जैसवार ढाबे के सामने पहुंची वैसे ही सामने हो गई। टेम्पो ट्रैवलर का चालक जो पिकअप में बैठा था उसकी जेब से मिले डीएल से उसकी पहचान परवेज अख्तर पुत्र आलमगीर निवासी रेवासा थाना सकलडीहा जनपद चंदौली के रुप में हुई। जबकि अन्य दो की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस तीनों शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई कर रही है।

वाराणसी में तीन दिवसीय रथयात्रा मेले का समापन, भोर में हुई प्रभु की विदाई, कार से हुए रवाना

वाराणसी। रथयात्रा मेले के अंतिम दिन हर भक्त के होठों पर प्रभु-नैनों की राह हृदय में विराजे की कातर प्रार्थना थी। भगवान के अष्टकोणीय रथ का स्पर्श एवं परिक्रमा की होड़ संस्कारों के मजबूत जोड़ की गवाह बनी। जगननथ स्वामी नयनपथगामी भवतु में... के भाव के साथ भक्तों ने नाथों के नाथ के चरणों में शीश अपराह्न तीन से चार बजे के मध्य श्रृंगार एवं आरती के बाद दर्शन आरंभ हुए। दर्शनाथिर्यों का लगा रहा तांता रात आठ बजे आरती एवं 12 बजे आरती हुई। भोर में तीन बजे तक दर्शनाथिर्यों का तांता लगा रहा। भोर में प्रभु शापुरी परिवार ने विदा किया। इसके बाद कार से प्रभु जगननथ, सुभद्राजी एवं बलभद्र जी के विग्रहों को अस्सी एवं सुभद्रा जी को श्वेत परिधान एवं बेला की कली से श्रृंगार किया गया। रथ के गर्भगृह में विग्रहों के पृष्ठ भाग एवं पाटन की गुलाब एवं बेला की कलियों से सजावट थी। रथ के शिखर एवं छतरी को हरी पत्तियों एवं सफेद फूलों से सजाया गया। प्रातः छह से आठ बजे तक इस्कान की भजन मंडली ने भजन की प्रस्तुतियां दीं। भगवान जगननथ

नवाया। रथयात्रा मेले के अंतिम दिन हर भक्त के होठों पर प्रभु-नैनों की राह हृदय में विराजे की कातर प्रार्थना थी। वृद्ध, युवा, महिलाओं के अलावा माता-पिता की अंगुलियां थामे बच्चों में भी भगवान के अष्टकोणीय रथ का स्पर्श एवं परिक्रमा की होड़ संस्कारों के मजबूत जोड़ की गवाह बनी। रविवार सुबह प्रातः नौ बजे प्रभु को छौंका मूंग चना, पेड़ा, गुड़ एवं खांड़सारी नीबू का तुलसी मिश्रित शरबत का भोग अर्पित किया गया। मध्याह्न में 12 बजे रथ को खींचकर यूनियन बैंक आफ इंडिया के पास लाया गया। भोग अर्पित करने के बाद पट बंद कर दिया गया। स्थित जगननथ मंदिर के लिए रवाना किया गया। सोमवार को प्रातः मंगला आरती के बाद मंदिर के पट खुल गए। रविवार को रथयात्रा मेले में हर भक्त प्रभु के चरण स्पर्श करने की चाहत से पहुंचा। भगवान रथारूढ़ थे इसलिए रथ को खींचकर प्रभु चरणों के स्पर्श की अनुभूति की। किसी ने पहिये पर जोर लगाया तो किसी ने रथ में बंधा रस्सा तानकर रथ आगे बढ़ाने की रस्म निभाई। प्रभु से प्रेम का रिश्ता निभाकर भक्त भाव विह्वल हो उठे। प्रातः 5:11 बजे पुजारी राधेश्याम पांडेय ने मंगला आरती उतारी, इसके बाद रथ रूपी मंदिर के कपाट खुल गए। प्रभु जगननथ जी, बलभद्र जी को लगाया माखन मिश्री का भोगसंकल्प संस्था की ओर से रविवार को रथयात्रा मेले के तीसरे दिन भगवान जगननथ को माखन मिश्री का भोग लगाया गया। संस्था के अध्यक्ष अनिल कुमार जैन ने संस्था के सदस्यों के साथ भगवान जगन्नथ, बलभद्र व सुभद्रा के विग्रह का पूजन किया। उसके बाद मेले में आए श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। वहीं कोरोना से बचाव के लिए संस्था ने मेले में आए लोगों को मास्क का वितरण भी किया गया।

विवाद सुलझाने पहुंची यूपी 112 पुलिस टीम पर हमला, सिपाही घायल, आरोपी गिरफ्तार

आजमगढ़। जिले के सरायमीर थाना क्षेत्र के पार गांव में विवाद की सूचना पर पहुंची यूपी 112 टीम पर एक व्यक्ति ने हमला कर दिया। जिसमें एक सिपाही घायल हो गया। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आजमगढ़ जिले के सरायमीर थाना क्षेत्र के पार गांव में विवाद की सूचना पर पहुंची यूपी 112 टीम पर एक व्यक्ति ने हमला कर दिया। जिसमें एक सिपाही घायल हो गया। घायल सिपाही की तहरीर पर हमला करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के साथ ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी कर लिया है। सरायमीर थाना क्षेत्र के पार गांव निवासी फरीदा पतनी अब्दुल अशहद ने रविवार शाम यूपी 112 को सूचना दी कि उसकी सास रूखसाना उससे विवाद कर रही है और गालियां दे रही है। इस सूचना पर यूपी 112 के हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार, कांस्टेबल प्रिंस कुमार सिंह और चालक राजेश कुमार सिंह पार गांव पहुंचे। मौके पर टीम के पहुंचते ही मो. नदीम पुत्र मुजम्मिल कांस्टेबल प्रिंस कुमार से उलझ गया और गालियां देते हुए हमला कर दिया। जिससे सिपाही प्रिंस घायल हो गया। इसके बाद चालक और हेड कांस्टेबल ने नदीम को पकड़ लिया और थाने लेकर चले आए। जहां सिपाही प्रिंस की तहरीर पर नदीम के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

वाराणसी पहुंचे मुख्य सचिव और डीजीपी, प्रधानमंत्री के दौरे से पहले लिया तैयारियों का जायजा

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात जुलाई को वाराणसी आएंगे। करीब चार महीने बाद अपने संसदीय क्षेत्र के प्रवास पर आ रहे पीएम मोदी 18 सौ करोड़ रुपये की तीन दर्जन से ज्यादा परियोजनाओं की सौगात काशीवासियों को देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों को परखने रविवार को पहुंचे मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र और डीजीपी देवेंद्र सिंह चौहान ने विकास कार्यों का जायजा लिया। मुख्य सचिव ने प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिया कि पीएम मोदी के हाथों लोकार्पित होने वाली परियोजनाओं का लाभ अगले दिन से जनता को मिलना चाहिए। ऐसे ही शिलान्यास वाली परियोजनाओं पर तत्काल काम शुरू कर दिया जाए। सुबह करीब 11 बजे वाराणसी पहुंचे मुख्य सचिव डीसी मिश्र और डीजीपी डीएस चौहान एयरपोर्ट से सीधे करखियांव स्थित निर्माणाधीन अमूल प्लांट का निरीक्षण करने पहुंचे। यहां से वे शाहंशाहपुर स्थित बायो गैस प्लांट को देखने पहुंचे। इसके बाद दोनों अधिकारी अर्दली बाजार स्थित एलटी कालेज परिसर में बनकर तैयार अक्षय पात्र किचन का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान वे प्राइमरी स्कूल के बच्चों से मिलकर काफी प्रभावित हुए। वहां मौजूद छात्रा ममता पटेल ने संस्कृत में श्लोक पढ़कर मुख्य सचिव का स्वागत किया। इस दौरान प्रमुख सचिव नितिन रमेश गोकर्ण, मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल, पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश, जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे पहले बोली मम नामः पलकनाथ, फिर सुनाया महिषासुर मर्दिनी का पाठ प्रधानमंत्री के हाथों लोकार्पित होने वाली अक्षय पात्र रसोई का निरीक्षण करने पहुंचे मुख्य सचिव दुर्गा प्रसाद मिश्र व डीजीपी देवेंद्र सिंह चौहान ने परिषदीय विद्यालय के बच्चों से बातचीत की। सबसे पहले चोलापुर की छात्रा ने संस्कृत

में अपना नाम बताया, मम नामः पलकनाथ अस्ति। इतना ही नहीं संस्कृत में प्रस्तुति दी। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने संस्कृत में कविता, गीत और महिषासुर मर्दिनी का पाठ सुना। आराजीलाइन के भीखमपुर की आयुषी पटेल ने प्रधानमंत्री के कार्यो को लेकर अंग्रेजी में भाषण सुनाया तो महिला शिक्षक ममता पटेल ने प्रधानमंत्री के कार्यों को पिरो कर तैयार की गई कविता सुनाई। बच्चों की वाकपटुता व प्रतिभा से प्रसन्न होकर मुख्य सचिव ने उन्हें 1100 रुपये नकद पुरस्कार भी दिया। प्रधानमंत्री के आगमन की दृष्ट से परिसर में आने के लिए पुलिस लाइन की तरफ हिंदी संस्थान की बाउंड्री तोड़ कर रास्ता बनाया गया है। सड़क का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। अफसरों ने अक्षय पात्र में भोजन निर्माण की प्रक्रिया आदि को भी परखा। एयरपोर्ट पर पीएम की सुरक्षा को लेकर हुई बैठक पीएम के प्रस्तावित दौरे को लेकर एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था के मद्दे नजर रविवार को एएसएल की बैठक की गई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन व प्रस्थान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए रणनीति बनाई गई। एयरपोर्ट के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था के सभी बिंदुओं पर चर्चा के साथ ही विचार विमर्श हुआ। बैठक में निदेशक अर्यमा सान्याल, एयरपोर्ट के अधिकारी, सीआईएसएफ कमांडेंट अजय कुमार, लोकल पुलिस, एसडीएम के साथ ही अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अमूल प्लांट से 50 किमी तक के दायरे के गांव जुड़ेंगे अमूल प्लांट परिसर में पौधरोपण के बाद मुख्य सचिव ठीक सामने स्थित एग्रो पार्क के बारे में जानकारी ली। वही प्लांट के ठीक बगल में खाली व घास-फूंस वाली जगह की साफ-सफाई करने का निर्देश दिया। मुख्स सचिव ने कहा कि इस प्लांट से 50 किलोमीटर तक के गांव जुड़ जाएंगे। वहीं प्लांट के शुरू होने के बाद कंपनी की ओर से गांवों में दुग्ध कलेक्शन सेंटर भी खोले जाएंगे। इसके बाद शाहंशाहपुर स्थित राजकीय कृषि एवं पशुधन प्रक्षेत्र तथा लगभग 23 करोड़ रुपये धनराशि से बने कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का भी निरीक्षण किया और पूरी क्षमता से इसे संचालित किए जाने हेतु मौके पर उपस्थित प्लांट के अधिकारियों को निर्देशित किया। कार्यक्रम स्थलों के पास सफाई में जुटा नगर निगम प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए नगर निगम की ओर से कार्यक्रम स्थलों के आसपास साफ-सफाई कराई जा रही है। रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर, संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम के आसपास के इलाकों में तेजी से कार्य चल रहा है। नगर निगम की कबाड़ गाडियों को हटवाया जा रहा है। सिंचाई कालोनी में चूने का छिड़काव कराया जा रहा है। स्टेडियम गेट के सामने गंदगी हटवाने के साथ इंटरलाकिंग कराई जा रही है। बारिश में होने वाले जलभराव को ध्यान में रखकर कार्य कराए जा रहे हैं। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. एनपी सिंह ने बताया कि पीएम आगमन के पूर्व सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करा ली जाएंगी।

भीख मांग कर किया सरकार की योजना का विरोध.....

सोनभद्र। अनपरा मुख्य बाजार में अगिन्पथ योजना से क्षुब्ध युवाओं ने रविवार को बाजार के दुकानदारों से भीख मांग और अनशन कर योजना का विरोध किया। सरकार के खिलाफ में नारे भी लगाएं। आम आदमी पार्टी के बैनर वाराणसी के शिवपुर थाना क्षेत्र के बेलवरिया गांव निवासी चंदन पटेल (36) पुत्र लाल बहादुर व गांव के ही प्रदीप पटेल (34) पुत्र लालचंद के साथ अपनी बाइक से रविवार की शाम चुनार थाना क्षेत्र के बल्लीपुर स्थित गांव में अपने खेत पर आए थे। वापस लौटते समय देर शाम वह चक गम्भीरा गांव के पास पहुंचे थे कि चुनार से सक्तेशगढ़ की ओर जा रही ट्रैक्टर ने ओवरटेक करते हुए सामने से आ रहे बाइक सवार को टक्कर मार दिया। जिससे मौके पर ही बाइक सवार चंदन पटेल की मौत हो गयी। पीछे बैठा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल को बेहतर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां उसकी हालत गंभीर देख चिकित्सक ने ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया। चंदन का विवाह तीन वर्ष पूर्व हुआ था। उससे दो वर्ष का एक पुत्र है। वह दो भाइयों में बड़ा था। बाइक सवार हेलमेट लगाए हुए था।तले यह आंदोलन किया गया। देश की सेना का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान के नारे भी लगे। युवाओं ने चार साल सेना की नौकरी करने से बेहतर भीख के रूप में मांगे गए पैसों से अपनी आजीविका चलाने के फैसले को सही बताते हुए सरकार का विरोध किया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि सरकार के इस योजना के अंतर्गत नगर का कोई भी नवयुवक हिस्सा लेने को तैयार नहीं है। आप के युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रकाश चौरसिया ने कहा कि भीख के रूप में बाजार से एक हजार रुपये मिले थे। उस रुपये को किसी गरीब वर्ग को दान कर देंगे। कहा कि केंद्र सरकार की अगिन्पथ योजना का पुरजोर विरोध किया जाएगा।

ओबरा में अतिक्रमण पर गरजा बुलडोजर

सोनभद्र। नगर के चोपन रोड पर सड़क के दोनों किनारे पटरियों पर किए गए अतिक्रमण पर बुलडोजर गरजा। सोमवार को एसडीएम रमेश कुमार की देखरेख में नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी ने टीम के साथ कई जेसीबी मशीनों के साथ अतिक्रमण हटवाया। 50 से अधिक दुकानों के सामने से अतिक्रमण हटाया गया। वहीं पुलिस का कड़ा रुख देख कई दुकानदारों ने स्वयं अतिक्रमण हटवाया। वहीं इस दौरान अतिक्रमण हटवाने को लेकर दो दुकानदार आपस में ही भिड़ गए। शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर थाना प्रभारी मिथिलेश मिश्रा ने एक विवादित व्यक्ति को पकड़कर थाने ले गए।अतिक्रमण हटवाने का कार्य सुभाष चौराहा से लेकर ओबरा बैरियर तक चला। इस दौरान घरों और दुकानों के सामने से करीब 50 चबूतरे सहित बाउंड्री वॉल को जेसीबी मशीन से तोड़कर ध्वस्त कर दिया गया। बता दें कि लगभग एक माह पूर्व पीडब्लूडी ने सड़क के दोनों तरफ मानक के अनुसार नापी कर लाल निशान लगाया गया था लेकिन जद में काफी दुकानें आ जाने के कारण नगर पंचायत ने रियायत देते हुए सड़क के किनारे बनी सफेद पट्टी से मात्र सात मीटर दूर दोनों तरफ तक अतिक्रमण हटाने का निणय्र लिया था। अतिक्रमण हटाने से पूर्व नगर पंचायत लगातार कई बार ध्वनि विस्तारक यंत्र से सूचना प्रसारित कर स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देशित किया। इसके बावजूद किसी ने अतिक्रमण नहीं हटाया। इसके बाद एसडीएम ने अतिक्रमण हटवाने का कार्य शुरू कर दिया। अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह, तहसीलदार सुशील कुमार, थाना प्रभारी मिथिलेश मिश्रा आदि रहे।

मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज ब्योरे की खामी होगी दूर

सोनभद्र। परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षकों को नामांकित बच्चों का डाटा मानव संपदा पोर्टल पर सही अपलोड करना होगा। इसके लिए महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने बीएसए को पत्र भेजा है। अध्यापकों और स्कूलों से जुड़े अन्य डाटा को शत-प्रतिशत सही दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। शिक्षकों को सही डाटा फीड करने का प्रमाण देना होगा। जांच में गलत प्रमाण पत्र मिलने पर संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिले में बड़ी तादाद में ऐसे विद्यालय हैं जहां मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज ब्योरे में खामियां है। इसी बीच महानिदेशक ने बीएसए को पत्र भेजकर सभी सूचनाओं और डाटा को सुधार कर प्रमाण पत्र मांगा है। बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सभी लोग मानव संपदा पोर्टल पर खुद के लॉगिन से विकास खंडों के समस्त विद्यालयों की रिपोर्ट डाउनलोड कर लें। अगर इस रिपोर्ट में प्रदर्शित कार्यरत शिक्षकों की संख्या विद्यालय में कार्यरत वास्तविक शिक्षकों की संख्या से अधिक है तो इसकी जानकारी एकत्र करें। यह भी सुनिश्चित करें कि सेवानिवृत्त शिक्षक, मृत शिक्षक या फिर सेवा समाप्त शिक्षक के संबंध में ट्रांजेक्शन का अंकन कर दिया गया है या नहीं। स्थानांतरित होकर गैर जनपद गए शिक्षकों के रिलीविंग हुई है। इसके बाद भी अगर किसी अवांछित कार्मिक की आईडी विद्यालय में प्रदर्शित होती है तो उसे अननोन लोकेशन पर रिलीव कर दें। अगर किसी विद्यालय में अध्यापकों की संख्या कम प्रदर्शित हो रही है तो उसकी जांच कर ली जाए। 30 अप्रैल 2022 तक परिषदीय विद्यालयों में दाखिला लेने वाले छात्रों का डाटा त्रुटि रहित दर्ज होने की पुष्टि भी करना होगा। यह होगा जरूरा सोनभद्र। जिले के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट परिषदीय विद्यालयों में कक्षा एक से पांच और छह से आठ का नामांकन सही कॉलम में दर्ज होने का अनिवार्य रूप से मिलान करना होगा। सहायक अध्यापक प्राइमरी स्तर को छोड़कर अन्य समस्त शिक्षकों का सब्जेक्ट मैपिंग सही तरीके से दर्ज करना होगा। शिक्षकों को वर्तमान तैनाती पोर्टल पर सही प्रदर्शित हो रही है या नहीं इसका मिलान करना होगा। समस्त गलतियों को दूर करते हुए एक प्रमाण पत्र डाटा राज्य परियोजना कार्यालय को भेजना होगा। शासन के निर्देशानुसार आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जहां भी कमी होगी उसे दूर कराया जायेगा।

बिना रिपोर्ट कॉर्ड दिए नहीं जारी होगा ग्रांट

सोनभद्र। परिषदीय विद्यालयों में खिड़की-दरवाजे, कुर्सी मेज सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए मिलने वाले ग्रांट की प्रक्रिया अब बदल गई है। ग्रांट लेने के लिए पहले स्कूल में क्या आवश्यक है इसकी रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करना होगा। इसकी रिपोर्ट खंड शिक्षाधिकारियों के जरिये सभी प्रधानाध्यापकों से मांगी गई है। रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत न करने वाले विद्यालयों को ग्रांट की धनराशि नहीं मिलेगी। जिले के परिषदीय विद्यालयों में कुर्सी, मेज व टेबल की खरीदारी, रंगाई-पोताई के लिए ग्रांट के तहत धन दिया जाता है। हालांकि बेसिक शिक्षा शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों को मिलने वाले ग्रांट की प्रक्रिया में बदलाव कर दिया गया है। पूर्व में विद्यालयों में नामांकित छात्रों की संख्या का आकलन करते हुए ग्रांट उपलब्ध कराया जाता था जिसके कारण कई बार ऐसी समस्या होती थी कि कई स्कूलों में धनराशि कम होने के कारण व्यवस्था ठीक तरीके से दुरुस्त नहीं हो पाती थी। इसको को देखते हुए शासन की ओर से ग्रांट जारी करने की प्रक्रिया में बदलाव कर दिया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जिले के सभी परिषदीय विद्यालयों से रिपोर्ट मांगी गई है। निर्धारित दस बिंदुओं पर आवश्यक रिपोर्ट कार्ड तैयार कराने के निर्देश दिए गए है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए उपलब्ध धनराशि को खर्च करने को भी कहा गया है। कंपोजिट स्कूल ग्रांट की डिमांड भी तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। कहा गया है कि वे ग्रांट का उपयोग समय रहते कर लें। डिमांड रिपोर्ट न देने वाले विद्यालय ग्रांट से वंचित रह जाएंगे।जिले के सभी परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों को ग्रांट की धनराशि से विभिनन कार्य कराने होंगे। जिसमें स्कूलों की हैंडवॉश यूनिट सुचारू रखना होगा। पानी की सप्लाई, टंकी की साफ-सफाई, छोटे-छोटे मरम्मत कार्य, शौचालय की साफ-सफाई, दरवाजों में सिटकनी लगवाना होगा। सबमर्सिबल के पास पक्का प्लेटफार्म, सोखता गड्ढा तैयार कराना होगा। वहीं टूटी हुई कुर्सी, मेज, झूला, ब्लैकबोर्ड, फर्श की टूट फूट दूर करानी होगी। वहीं विद्यालयों के गेट और कमरों के सभी दरवाजों पर डबल इंटरलॉकिंग के ताले लगवाने होंगे। जहां स्मार्ट क्लास का संचालन होना है, वहां दरवाजे लोहे के होंगे। सभी स्कूलों से ग्रांट के लिए डिमांड रिपोर्ट मांगी गई है। इस बार डिमांड के अनुसार ग्रांट की राशि जारी होगी। इस बदलाव से स्कूलों में सुविधाएं और भी बेहतर होगी।

सोनभद्र में राज्य विवि के लिए टीम ने तलाशी संभावनाएं

सोनभद्र। विंध्याचल मंडल में स्थापित होने वाले राज्य विवि के लिए जिले में प्रस्तावित स्थल का सोमवार को दो सदस्यीय टीम ने निरीक्षण किया। टीम ने विवि की आवश्यकता के अनुरूप विभिनन बिंदुओं पर जांच की। स्थानीय लोगों से भी मुलाकात की और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। टीम मिर्जापुर और भदोही में प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट शासन को देगी। इसके बाद तय होगा कि विवि कहां स्थापित होगा। उच्च शिक्षा निदेशक के नेतृत्व में गठित टीम में संयुक्त निदेशक भी शामिल रहे। दोनों अफसरों ने घोरावल एसडीएम श्याम प्रताप सिंह के साथ परसौना में चिह्नित भूमि का अवलोकन किया। प्रस्तावित स्थल पर पानी की उपलब्धता, सुरक्षा, विवि की स्थापना के बाद क्षेत्रीय लोगों से जुड़ाव और विस्तार की संभावनाओं सहित अन्य बिंदुओं पर गहन छानबीन की। राजस्व रिकार्ड के अनुसार भूमि की नापी भी कराई। टीम ने ग्रामीणों से मिलकर उनकी राय भी जानी। एसडीएम ने उन्हें जिले में विवि बनने से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यहां होने वाले बदलावों के बारे में भी जानकारी दी। देर शाम टीम ने डीएम चंद्र विजय सिंह से भी मिलकर वार्ता की। जरूरी निर्देश भी दिए। बता दें कि विंध्याचल मंडल में राज्य विवि की स्थापना की जानी है। इसके लिए पिछले दिनों शासन ने कमिशन्र से उपयुक्त भूमि का चयन कर प्रस्ताव मांगा था। इसके बाद मंडल के तीनों जिलों में जमीन की तलाश शुरू हो गई थी। सोनभद्र से जिला प्रशासन ने घोरावल के पास परसौना में 50 एकड़ सरकारी भूमि का चयन कर विवि स्थापना के लिए प्रस्ताव भेजा था। मिर्जापुर से दो और भदोही से एक स्थल का प्रस्ताव भेजा गया है। सभी प्रस्तावों के अवलोकन के बाद शासन ने उपयुक्त स्थल के चयन के लिए दो सदस्यीय टीम गठित कर स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट देने को कहा है।

बीएड प्रवेश परीक्षा संपन्न कराने के लिए मजिस्ट्रेट तैनात

सोनभद्र। जिले में छह जुलाई यानी बुधवार को छह केंद्रों पर यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा होगी। परीक्षा को नकल विहीन और पारदर्शिता के साथ सकुशल परीक्षा संपन्न कराने के मद्देनजर सोमवार को एडीएम सहदेव मिश्रा की अध्यक्षता में सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट व केंद्र व्यवस्थापकों की समीक्षा बैठक हुई। एडीएम ने बताया कि यूपी बीएड की प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9 से 12 बजे तक होगी। दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक होगी। ऐसे में परीक्षा को नकल विहीन, पारदर्शिता एवं सूचितापूर्ण ढंग से सम्पनन कराया जाना सुनिश्चित करें। लापरवाही बरतने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। केंद्र पर प्रवेश पत्र और पेन के अलावा किसी भी प्रकार की अवैध सामग्री ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा केंद्र के 500 मीटर की परिधि में फोटो स्टेट की दुकानों का संचालन बंद रहेगा। परीक्षा शुरू होने से करीब एक घंटे पूर्व छात्रों को पहुंचना होगा। बैठक के दौरान डॉ. प्रमोद कुमार प्राचार्य, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी राजेश खैरवार, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजीत सिंह, बीएसए हरिवंश कुमार, जिला कृषि अधिकारी हरि कृष्ण मिश्रा, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

स्वास्थ्य मेले में मरीजों की सेवा में जुटे रहे 750 डॉक्टर

सोनभद्र। जनपद में चल रहे स्वास्थ्य मेले के चौथे दिन सोमवार को 750 चिकित्सकों ने अपनी सेवा प्रदान की। 96 कैंप, एक मेगा कैंप के माध्यम से 63260 मरीजों को चिकित्सकीय सेवा व परामर्श दिया। संसाधनों के बाद भी अपने कर्तव्य को ईमानदारी के साथ पूरा कर रहे हैं। डॉ. मनीष मिश्रा ने कहा कि डॉक्टर होना सिर्फ एक काम नहीं है बल्कि चुनौतीपूर्ण वचनबद्धता है। डॉ. निधि सिंह ने कहा कि संपूर्ण जनपद में कैंपों पर दौरा कर रहे सेवा समर्पण संस्थान के सह संगठन मंत्री आनंद ने कहा कि यह सेवा यात्रा 31वां साल पूर्ण करने की स्थिति में है। प्रत्येक वर्षों में कैंप करने के लिए संकल्पित भी है विश्व आयुर्वेद परिषद के संगठन सह सचिव केके द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान सरकार की अनुकूलता का परिणाम रहा कि पिछली बार जिन गांवों में कैंप लगाने की कल्पना किए थे वहां आसानी से पहुंचकर कैंप पूर्ण करने में सफल रहे। कई गांव ऐसे मिले जहां असाध्य रोगी मिले जिनका नाम और पता ले लिया गया है और आगे उन्हें बाहर ले जाकर चिकित्सकीय उपचार कराया जाएगा। डॉ. आशुतोष पाठक के अनुसार बीमारी का कारण स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता का अभाव है। डॉ. विजय राय ने कहा कि डॉक्टर अब भी सीमित वर्तमान में डॉक्टर पुराने सम्मान को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करता हुआ नजर आ रहा है। सेवा समर्पण संस्थान जिला सह मंत्री आलोक कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि वर्तमान में डॉक्टरी ही एक ऐसा पेशा है, जिस पर लोग विश्वास करते हैं। इसे बनाए रखने की जिम्मेदारी सभी डॉक्टरों पर है। संपूर्ण कैंपों में जो चिकित्सक रह रहे है उनका नेतृत्व डॉ. रमेश यादव, डॉ. नेहा बिष्ट, डॉ. सीएस पांडे, डॉ. नेहा चौधरी, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. जीतू राम, डॉ. सुनीता राय, डॉ. शांतनु तिवारी, डॉ. मोनिका, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. अमित सिंह, डॉ. नदीम परवेज, डॉ. शुभम महेश्वरी, डॉ. ऋतु सिंह, डॉ. अजय गुप्ता, डॉ. राहुल सिंह, डॉ. जुगल किशोर पांडेय, डॉ. कृष्ण बिहारी, डॉ. अल्पना नाथ, डॉ. अनुराग पांडे, डॉ. ब्याडगी आदि कर रहे हैं।

बिना नंबर प्लेट ही सड़कों पर दौड़ रहे नगर पालिका के वाहन

सोनभद्र। यातायात सुरक्षा को लेकर अक्सर नियमों की दुहाई देने वाले जिम्मेदार ही इसकी अनदेखी कर रहे हैं। फिलहाल मामला नगर पालिका का है। नगर क्षेत्र में संचालित नगर पालिका के अधिकांश वाहन बिना नंबर के ही दौड़ रहे हैं। कूड़ा उठाने वाला वाहन हो या टैंकर ढोने वाला टैंकर और बिजली दुरुस्त करने वाला क्रेन युक्त वाहन। अधिकांश वाहनों पर नंबर नदारद है। नगर पालिका राबर्ट्सगंज में नगर की साफ-सफाई के लिए ट्रैक्टर, कूड़ा वाहन, लोडर सहित करीब 22 वाहन है। इन वाहनों में ज्यादातर पर नंबर प्लेट मौजूद नहीं है। ऐसा भी नहीं कि यह वाहन खड़े हों और खराब हालत में हों। यह वाहन रोजाना सड़कों पर फर्राटे भरते हैं। इन पर कोई भी कार्रवाई नहीं होती है। इससे परिवहन विभाग के नियम व कानूनों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब बात प्रशासन की आती है तो सारे नियम ताख पर रख दिए जाते हैं। इन वाहनों से अगर कभी दुर्घटनाएं होती हैं तो इनकी पहचान कर पाना भी मुश्किल होगा।

स्कूल से लेकर अस्पताल और बाजार, हर जगह हो रहा कोविड गाइडलाइन का उलंघन.....

सोनभद्र। देश, प्रदेश और जिले में कोरोना के बढ़ रहे मामले को देखते हुए डीएम चंद्र विजय सिंह ने जिले में तीन माह के लिए धारा 144 लागू कर दी है। इसके बावजूद सरकारी दफ्तरों से लेकर निजी कार्यालयों और सार्वजनिक जगहों पर कोरोना गाइड लाइन का पालन नहीं हो रहा है। यहां तक स्कूलों में नियमों की अनदेखी कर बच्चों को बैठाया जा रहा है। इससे संक्रमण बढ़ने की संभावनाएं बढ़ गई है।पिछले कुछ दिनों से जिले में भी कोरोना के मामलों में उछाल देखने को मिल रहा है। इसको देखते हुए स्वास्थ्य महकमा कोविड अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन और दवाओं का बेहतर इंतजाम करने में जुट गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर मरीजों का बेहतर उपचार किया जा सकें। स्वास्थ्य विभाग की आंकड़ों पर गौर करें तो वर्तमान में जिले में कोरोना के 20 मामले एक्टिव है। कोराना के मामले बढ़ने के बाद भी सरकारी विभागों, स्कूलों समेत अन्य जगहों पर पूर्व में सरकार की ओर से कोरोना की तीसरी लहर में बनाए गए कोविड गाइड लाइन का पालन नहीं हो रहा है। गिने-चुने अफसरों और कमिन्यों को छोड़ दें तो शेष लोग मास्क तक नहीं पहन रहे हैं। विभागों में सैनिटाइजर तक की व्यवस्था नहीं है। जिला अस्पताल समेत अन्य राजकीय अस्पतालों और निजी अस्पतालों में भी स्वास्थ्यकर्मी तक मास्क नहीं पहन रहे है। सोमवार को जिला अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मी और मरीज सभी बगैर मास्क दिखे। हालांकि कोराना संक्रमण के फैलाव पर रोक लगाने कके लिए डीएम चंद्र विजय सिंह ने तीन माह के लिए धारा 144 लागू करते हुए मातहतों के कड़ाई से पालन कराने का निर्देश दिया है।

अपराध के साथ प्रदूषण पर भी रोक लगाएगी पुलिस

सोनभद्र। पांच जुलाई से शुरू होने वाले सघन पौधरोपण अभियान के तहत जिला प्रशासन चार दिन में एक करोड़ से अधिक पौधे लगवाएगा। हर विभाग को पौधरोपण के लिए अलग-अलग लक्ष्य आवंटित किया गया है। अपराध पर रोक लगाने वाली पुलिस भी प्रदूषण से मुक्ति के लिए पौधे लगाएगी। पौधे लगाने के लिए रविवार तक जिले में 1,03,27,222 पौधे लगाने का लक्ष्य मिला है। डीएम चंद्र विजय सिंह ने लक्ष्य के सापेक्ष पौधे लगाने के लिए ग्राम विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, कृषि विभाग, राजस्व विभाग, साडा, उद्यान विभाग, नगर विकास विभाग, पर्यावरण विभाग, उद्याग विभाग, श्रम विभाग, रेशम विभाग, लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग, गृह विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, प्राविधिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, पशु पालन विभाग, सहकारिता विभाग, ऊर्जा विभाग, परिवहन विभाग और रेलवे विभाग को जिम्मेदारी सौंपी है। पांच अगस्त को लक्ष्य के सापेक्ष 72 प्रतिशत, छह अगस्त को सात प्रतिशत, सात अगस्त को सात प्रतिशत और 15 अगस्त को 14 प्रतिशत पौधे लगाए जाएंगे। सभी विभाग के विभागाध्यक्ष निर्धारित समय पर लक्ष्य के सापेक्ष पौधों को लगवाने के लिए गड्ढों की खोदाई करा रहे हैं। जिला विकास अधिकारी रामबाबू तिवारी ने बताया कि लक्ष्य के सापेक्ष पौधों को लगाने के गड्ढों की खोदाई कराई जा रही है। अधिकांश गड्ढों की खोदाई हो चुकी है।

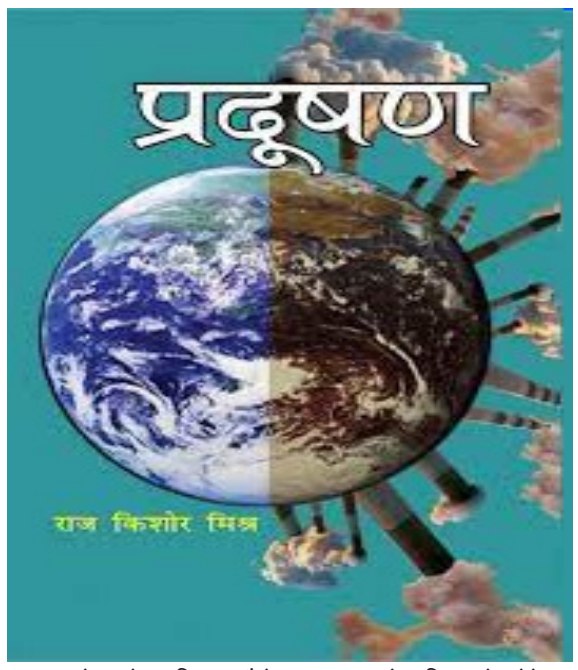

ईंट बनाने के लिए मुफ्त में मिलेगा फ्लाईऐश

सोनभद्र। जिले में उद्योग को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन कर ओर से पहल तेज कर दी गई है। फ्लाई एश ईंट बनाने के उद्योग स्थापित करने उद्यमियों की हर संभव मदद होगी। परियोजनाओं द्वारा मुफ्त में फ्लाई ऐश मुहैया कराया जाएगा। जनपद में फ्लाई ऐश ईंट के उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में प्रशासन ने कार्यवाही शुरू कर दी है। जिले में कई तापीय परियोजनाएं हैं। प्रत्येक तापीय परियोजनाओं में कोयले को ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। कोयले के इस्तेमाल के बाद दो तरह की राख मिलती है। पहला पलाई ऐश और और दूसरा बॉटम ऐश। फ्लाई ऐश और बॉटम ऐश दोनों का निस्तारण उद्योग को नियत अवधि में किये जाने के निर्देश है। फ्लाई ऐश से सीमेंट एवं फ्लाई ब्रिक्स का उत्पादन किया जाता है। अगर जनपद में फ्लाई ऐश बनाने वाली इकाइयां स्थापित होंगी तो उन्हें फ्लाई ऐश आसानी से उपलब्ध हो जाएगा क्योंकि वर्तमान में राज्य बोर्ड के पास फ्लाई ऐश से ईंट बनाने वाली कोई भी उद्योग पंजीकृत नहीं है। फ्लाई ऐश ब्रिक्स की खड़ंजा, बिल्डिंग ब्लॉक व रोड पेविंग में प्रयुक्त होता है। खपत के सापेक्ष उत्पादन के लिए ब्रिक्स बनाने वाले उद्योगों को बढ़ाया दिया जा सकता है जिससे कि फ्लाई ऐश की निस्तारण और फ्लाई ऐश ब्रिक्स का प्रयोग अधिकाधिक हो सके। एडीएम ने उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र को जनपद में स्थापित/संचालित उद्योगों का सर्वे कर सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही ऐसे उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित करने को कहा है।तापीय परियोजनाओं के प्रतिनिधियों द्वारा अवगत कराया गया कि पलाई ऐश प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। जो भी उद्यमी फ्लाई ऐश से ईंट बनाने का उद्यम स्थापित करना चाहता है।

बोरे में एकत्र किया गया सिंगल यूज प्लास्टिक

सोनभद्र।नगर पालिका अध्यक्ष मनोज जायसवाल के नेतृत्व में शनिवार को सुबह प्लाग रन अभियान चलाया गया। सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ चलाए गए जन-जागरूकता अभियान के चौथे दिन शनिवार को नारघाट में प्लाग रन अभियान का कार्यक्रम रखा गया। इसके तहत नगर पालिका अध्यक्ष, अधिशासी अधिकारी व अन्य कमिन्यों ने सिंगल यूज प्लास्टिक पॉलिथीन, प्लास्टिक के बोतल व ग्लास आदि को एक बोरे में एकत्र किया। इस दौरान नगर पालिका कमिन्यों ने लोगों ने प्लास्टिक से बनी वस्तुओं को गंगा नदी में नहीं फेंकने की अपील की।श्रमदान करने वाले नगर पालिका के अधिकारियों व कर्मचारियों का कहना था कि प्लास्टिक से बनी वस्तुओं को गंदा में फेंकने के कारण गंगा नदी में रहने वाले जीव-जंतुओं पर विपरीत असर पड़ता है। बहुत दिनों तक कचरे के रूप में पानी के साथ बहता भी रहता है।

इंग्लैंड के खिलाफ 'कप्तानी' करते नजर आए विराट कोहली, बुमराह के साथ की खास प्लानिंग, देखें वीडियो

नई दिल्ली। कोहली ने इसी साल जनवरी में टेस्ट की कप्तानी से हटने का फैसला किया था। उनके स्थान पर रोहित शर्मा को नियमित कप्तान बनाया गया। केएल राहुल उपकप्तान बनाए गए। रोहित इंग्लैंड के दौरे पर तो गए, लेकिन कोरोना संक्रमित होने के कारण एकमात्र टेस्ट में नहीं खेले। केएल राहुल

कई बार कोहली के पास जाकर चर्चा करते हुए नजर आए। बॉलिंग चेंज से लेकर फील्डिंग सेट करने तक कोहली सलाह देते दिखाई दिए। इसके अलावा टीम हर्डल में खिलाड़ियों को समझाते हुए भी दिखाई दिए। मुकाबले से पहले भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने साफ कह दिया था कि विराट हमेशा टीम के लीडर रहेंगे। उनका रिकॉर्ड शानदार है। कोहली लाखों लोगों को प्रोत्साहित करते हैं। सीनियर खिलाड़ी होने के नाते वह लीडरशिप ग्रुप का हिस्सा हैं। पूर्व कप्तान हैं और ऐसे में वह हमेशा लीडर रहेंगे। यह मुकाबला पिछले साल आयोजित हुई टेस्ट सीरीज का हिस्सा होगा। 2021 के अगस्त-सितंबर में टीम इंडिया इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही थी। तब पांचवां मुकाबला कोरोनावायरस के कारण आयोजित नहीं हो सका था। चार टेस्ट तक भारत 2-1 से आगे था।

कोहली फील्डिंग के दौरान एक्शन में नजर आए। कोहली को कप्तानी करते देखा गया है। जसप्रीत बुमराह पहली बार टीम की कमान संभाल रहे हैं। फील्डिंग के दौरान कई बार उन्हें मुश्किलों को सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में कोहली उनकी मदद के लिए आगे जाते थे। कोहली ने इसी साल जनवरी में टेस्ट की कप्तानी से हटने का फैसला किया था। उनके स्थान पर रोहित शर्मा को नियमित कप्तान बनाया गया। केएल राहुल उपकप्तान बनाए गए। रोहित इंग्लैंड के दौरे पर तो गए, लेकिन कोरोना संक्रमित होने के कारण एकमात्र टेस्ट में नहीं खेले। केएल राहुल चोट के कारण टीम से बाहर हैं। ऐसे में दूसरे उपकप्तान जसप्रीत बुमराह को कमान मिली और ऋषभ पंत को उपकप्तान बनाया गया।टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय टीम गेंदबाजी कर रही थी। उस समय बुमराह कई बार फंसते हुए नजर आए। ऐसे में कोहली ने उनकी मदद के लिए अपने कदम बढ़ाए। सही जगह फील्डर को लगाया। बुमराह खुद

मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ सकते हैं क्रिस्टियानो रोनाल्डो, चेल्सी या बार्यन म्यूनिख से जुड़ने की संभावना.....

नई दिल्ली। रोनाल्डो लंबे समय से मैनचेस्टर यूनाइटेड का हिस्सा हैं। हालांकि, अब उनके चेल्सी या बार्यन म्यूनिख से जुड़ने की संभावना जताई गई है। 37 साल के रोनाल्डो अभी

तीन से चार साल और खेलना चाहते हैं। फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब किसी दूसरे क्लब से खेलने का मन बना रहे हैं। वो इसी सीजन से पहले अपनी टीम बदल सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रोनाल्डो ने अपने क्लब के सामने किसी दूसरी टीम से खेलने की इच्छा जताई है। वो अब इंग्लिश प्रीमियर लीग की बजाय चैंपियंस लीग में खेलना चाहते हैं। इस वजह से रोनाल्डो मैनचेस्टर यूनाइटेड से अलग होने के बारे में सोच रहे हैं। इस सीजन मैनचेस्टर यूनाइटेड की टीम चैंपियंस लीग में जगह नहीं बना पाई है। पिछले सीजन यह टीम कोई ट्रॉफी नहीं जीत पाई। इसके बाद अटकलें तेज हो गई हैं कि रोनाल्डो अब इस क्लब के साथ अपना करार खत्म कर सकते हैं। हालांकि, क्लब के नए मैनेजर एरिक टेन हाग के अनुसार वो इसी क्लब के लिए खेलेंगे और उनके ऊपर अपनी टीम को जीत की पटरी पर वापस लाने का दारोमदार होगा। 2021 में मैनचेस्टर यूनाइटेड से जुड़े थे रोनाल्डो क्रिस्टियानो रोनाल्डो साल 2021 में ही मैनचेस्टर यूनाइटेड की टीम के साथ जुड़े थे। उन्होंने पिछले सीजन में इस क्लब के लिए 24 गोल दागे, लेकिन उनकी टीम को अधिकतर मौकों पर हार का सामना करना पड़ा या ड्रॉ के साथ संतोष करना पड़ा। इसी वजह से यह टीम कोई खिताब नहीं जीत पाई। कई बार अहम मौकों पर यह टीम मैच नहीं जीत पाई। इसके बाद रोनाल्डो अपना क्लब बदलने के बारे में सोच रहे हैं। चेल्सी या बार्यन म्यूनिख में हो सकते हैं शामिल क्रिस्टियानो रोनाल्डो चेल्सी या बार्यन म्यूनिख की टीम में शामिल हो सकते हैं।

एजबेस्टन टेस्ट में हेलमेट में कैमरा लगाकर खेलेगा इंग्लैंड का यह खिलाड़ी, जानें क्या है वजह

नई दिल्ली। इंग्लैंड को ओली पोप को आईसीसी ने भी हेलमेट में कैमरा लगाने की अनुमति दे दी है। इससे पहले कभी भी किसी क्रिकेटर ने अपने हेलमेट में कैमरा नहीं लगाया था। यह पहला मौका होगा जब कोई खिलाड़ी अपने हेलमेट में कैमरा

लगाएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का आखिरी और पांचवां मैच एजबेस्टन के मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप हेलमेट में कैमरा लगाकर फील्डिंग करेंगे। आईसीसी ने भी उन्हें ऐसा करने की अनुमति दे दी है। यह पहला मौका होगा, जब कोई क्रिकेटर अपने हेलमेट में कैमरा लगाकर मैदान पर उतरेगा। पोप मैच के दौरान जब शॉर्ट लेग या ऐसी ही किसी करीबी पोजीशन में फील्डिंग करेंगे तो हेलमेट पहनेंगे, जिसमें कैमरा लगा होगा। इंग्लैंड में मैच का प्रसारण करने वाले चैनल स्काइस्पोर्ट्स का यह नया प्रयोग है। इसके जरिए दर्शकों को यह दिखाने की कोशिश की जाएगी कि बल्लेबाज के पास खड़े होकर फील्डिंग करना कितना मुश्किल होता है। गेंद किस गति से आती है और फील्डर के पास कैच पकड़ने के लिए कितना कम समय होता है। आईसीसी और ईसीबी ने भी इसके लिए इजाजत दे दी है। शॉर्ट लेग या बल्लेबाज के करीब किसी भी दूसरी पोजीशन पर फील्डिंग करना बहुत मुश्किल और खतरनाक होता है। इसी वजह से अक्सर टीम के सबसे युवा या नए बल्लेबाज को ही इस जगह पर फील्डिंग कराई जाती है। शार्ट लेग में फील्डिंग करने पर खिलाड़ी के चोटिल होने की संभावना बहुत ज्यादा रहती है, क्योंकि जब भी बल्लेबाज उस दिशा में शॉट खेलता है तो गेंद बहुत तेजी से फील्डर के पास आती है। इसी वजह से टीम के सबसे अहम बल्लेबाज या गेंदबाजों को आमतौर पर इस जगह में फील्डिंग नहीं कराई जाती है, क्योंकि उनके चोटिल होने पर टीम मुश्किल में आ सकती है। पांच मैचों की सीरीज में टीम इंडिया 2-1 से आगे है। एजबेस्टन में सीरीज का आखिरी मैच जीतकर या ड्रॉ कराकर भारत यह सीरीज अपने नाम कर सकता है। ऐसा होता है तो भारत 15 साल पहले 2007 में इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट सीरीज जीतेगा। खास संयोग यह है कि 15 साल पहले राहुल द्रविड़ की कप्तानी में ही भारत ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीती थी और अब 15 साल बाद उनके कोच बनने पर टीम इंडिया के पास सीरीज जीतने का मौका है।

महिला हॉकी वर्ल्ड कप में भारत का पहला मैच इंग्लैंड से ड्रॉ, वंदना कटारिया ने किया टीम का इकलौता गोल

नई दिल्ली। भारत का अगला मुकाबला चीन से पांच जुलाई को होगा। वहीं, इंग्लैंड की टीम उसी दिन न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरेगी।

अंक तालिका की बात करें तो पूल-बी में न्यूजीलैंड पहले, चीन दूसरे, इंग्लैंड तीसरे और भारत चौथे स्थान पर है। सभी टीमों के एक-एक अंक हैं। महिला हॉकी वर्ल्ड कप में भारत ने अपने अभियान की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ रविवार (तीन जुलाई) को नीदरलैंड के एम्स्टेल्विन में की। पूल बी का यह मैच 1-1 से ड्रॉ रहा। इंग्लैंड के लिए इसाबेल पीटर ने गोल किया। वहीं, वंदना कटारिया ने भारत के लिए इकलौता गोल दागा। भारत के पास इंग्लैंड से टोक्यो ओलंपिक में मिली हार का बदला लेने का मौका था, लेकिन अपनी ही गलतियों से उसने इसे गंवा दिया। दोनों टीमों को मैच से एक-एक अंक मिले भारत का अगला मुकाबला चीन से पांच जुलाई को होगा। वहीं, इंग्लैंड की टीम उसी दिन न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरेगी। अंक तालिका की बात करें तो पूल-बी में न्यूजीलैंड पहले, चीन दूसरे, इंग्लैंड तीसरे और भारत चौथे स्थान पर है। सभी टीमों के एक-एक अंक हैं।पिछले साल ओलंपिक में कांस्य मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 4-3 से हराकर ऐतिहासिक पदक जीतने से वंचित कर दिया था। विश्व कप से पहले भारतीय महिला टीम के हौसले बुलंद हैं। वह एफआईएच प्रो लीग में पहली बार खेलते हुए तीसरे स्थान पर रही थी। चौथा क्वार्टरः आखिरी तीन मिनट में भारत दो बार गोल करने से चूका 57वें मिनट में भारत की शर्मिला देवी गेंद को गोलपोस्ट में डालने से चूक गईं। यह उनके लिए सबसे आसान मौका था। इंग्लैंड की गोलकीपर गोलपोस्ट से काफी आगे जा चुकी थीं। गोलपोस्ट के नजदीक इंग्लैंड की कोई अन्य खिलाड़ी भी नहीं थी। शर्मिला के पास गेंद को गोलपोस्ट में डालने का मौका था, लेकिन वह चूक गईं। इसके बाद 58वें मिनट भारत ने पेनल्टी कॉर्नर को बर्बाद कर दिया। तीसरा क्वार्टरः भारत ने मौका गंवाया भारत ने इस क्वार्टर में दो बार गोल करने के मौके बनाए, लेकिन सफलता नहीं मिली। 41वें मिनट में दाई ओर से नवजोत ने शानदार क्रॉस गोलपोस्ट की ओर दिया, लेकिन कोई भी खिलाड़ी उसे गोलपोस्ट में डालने के लिए वहां नहीं खड़ी थी। इसके बाद 44वें मिनट में नेहा ने जोरदार रिवर्स हिट लगाया, लेकिन इंग्लैंड की गोलकीपर ने उसे गोलपोस्ट में जाने से रोक दिया। इन दो मौकों पर अगर गोल आ गए होते तो टीम इंडिया 3-1 से आगे हो जाती दूसरा क्वार्टरः भारत ने किया पहला गोल भारत के लिए पहला गोल वंदना कटारिया ने किया। भारत को 27वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। इंग्लैंड की गोलकीपर मजबूती से सामने खड़ी थीं, लेकिन वंदना कटारिया के शॉट को नहीं रोक पाईं। वंदना ने टीम इंडिया को मैच में बराबरी पर ला दिया। पहला क्वार्टरः इंग्लैंड ने ली बढ़त भारत को मैच के पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन इस पर गोल नहीं हो सका। शुरुआती पांच मिनट तक टीम इंडिया शानदार खेली। उसके बाद इंग्लैंड ने वापसी की। उसने आठवें मिनट में मैच का पहला गोल किया और मैच में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इंग्लैंड के लिए पहला गोल इसाबेल पीटर ने किया।

ऋषभ पंत तीन तो अश्विन हासिल करेंगे दो खास उपलब्धियां, एजबेस्टन टेस्ट में बन सकते हैं ये रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच अधूरी टेस्ट सीरीज का आखिरी मैच आज से एजबेस्टन के मैदान पर शुरू हो रहा है। इस मैच को जीतकर या ड्रॉ कराकर टीम इंडिया 15 साल बाद इंग्लैंड की धरती पर कोई टेस्ट सीरीज जीत सकती है। इससे पहले 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके साथ ही कई खिलाड़ियों के पास भी खास रिकॉर्ड बनाने का मौका रहेगा। भारत के ऋषभ पंत और रविचंद्रन अश्विन के अलावा इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो और स्टुअर्ट ब्रॉड भी खास उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। भारतीय टीम के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन इस मुकाबले में दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। वह आठ विकेट लेते ही टेस्ट में 450 विकेट पूरे कर लेंगे। वहीं, 69 रन बनाने पर तीन हजार टेस्ट रन पूरे कर लेंगे। हालांकि, इस टेस्ट में अश्विन का खेलना तय नहीं है। ऋषभ पंत के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 छक्के पूरे करने से एक कदम दूर हैं। इस मैच में पहला छक्का लगाते ही वो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 छक्के पूरे कर लेंगे। वह छह छक्के लगाते हैं तो टेस्ट में उनके 50 छक्के हो जाएंगे और 80 रन बनाने पर टेस्ट में दो हजार रन पूरे कर लेंगे। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड इस मैच में एक विकेट लेते ही टेस्ट क्रिकेट में 550 विकेट पूरे कर लेंगे। वह ऐसा करने वाले दुनिया के तीसरे तेज गेंदबाज होंगे। साथ ही टेस्ट क्रिकेट में 550 विकेट लेने वाले छठे गेंदबाज होंगे। अगर ब्रॉड मैच में आठ विकेट ले पाते हैं तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 800 विकेट पूरे कर लेंगे। इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो ने अब तक अंतरराष्ट्रीय मैच में 9,883 रन बनाए हैं। इस मैच में 117 रन बनाने पर वो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 10 हजार रन पूरे कर लेंगे।

जसप्रीत बुमराह टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले पहले तेज गेंदबाज

नई दिल्ली। महान कपिल देव टीम इंडिया की कमान संभाल चुके हैं, लेकिन वह विशुद्ध ऑलराउंडर थे। बुमराह टीम इंडिया के 36वें टेस्ट

कप्तान हैं। उनसे पहले चार स्पिन गेंदबाज कप्तानी कर चुके हैं। गुलाम अहमद गेंदबाज होते हुए भारत की कप्तानी करने वाले पहले खिलाड़ी थे। जसप्रीत बुमराह एजबेस्टन टेस्ट में बतौर कप्तान उतरे। शुक्रवार (एक जुलाई) को मैच के पहले दिन टॉस होते ही बुमराह ने एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी करने वाले भारत के पहले विशुद्ध तेज गेंदबाज हैं। बुमराह को रोहित शर्मा की जगह टीम की कमान संभालने का मौका मिला। रोहित कोरोना संक्रमित होने के कारण मुकाबले में नहीं उतरे। महान कपिल देव टीम इंडिया की कमान संभाल चुके हैं, लेकिन वह विशुद्ध ऑलराउंडर थे। बुमराह टीम इंडिया के 36वें टेस्ट कप्तान हैं। उनसे पहले चार स्पिन गेंदबाज कप्तानी कर चुके हैं। गुलाम अहमद गेंदबाज होते हुए भारत की कप्तानी करने वाले पहले खिलाड़ी थे। दाएं हाथ के ऑफ स्पिनर अहमद ने 1955 से 1959 के बीच तीन टेस्ट मैचों में कप्तानी की थी। वहीं, इस साल तीनों फॉर्मेट मिलाकर टीम इंडिया की कप्तानी करने वाले छठे क्रिकेटर हैं। उनसे पहले इस साल विराट कोहली, केएल राहुल, रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और हार्दिक पांड्या कप्तानी कर चुके हैं। 12 महीने के अंदर टीम इंडिया की कप्तानी करने वाले वह 8वें क्रिकेटर होंगे। शिखर धवन भी पिछले साल श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया के कप्तान रहे थे। बुमराह ने अब तक टेस्ट में 29 मैचों में 123 विकेट लिए हैं। चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा पहले ही कह चुके हैं कि बुमराह को भविष्य का कप्तान माना जा रहा है। बुमराह कपिल देव के बाद पिछले 35 साल में टीम इंडिया की कप्तानी करने वाले दूसरे तेज गेंदबाज हैं।

दुष्कर्म मामले में रोनाल्डो के वकील का पलटवार, महिला वकीलों से मांगे 626 हजार डॉलर.....

नई दिल्ली। रोनाल्डो के वकीलों ने आरोप लगाने वाली महिला की वकील से 626 हजार डॉलर (4 करोड़, 94 लाख रुपये) से अधिक का भुगतान करने को कहा है। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को अमेरिका की अदालत ने 20 दिन पहले दुष्कर्म के आरोप से बरी कर दिया था। अब इस मामले में रोनाल्डो के वकीलों ने आरोप लगाने वाली महिला की वकील से 626 हजार डॉलर (4 करोड़, 94 लाख रुपये) से अधिक का भुगतान करने को कहा है। इस मामले में रोनाल्डो के वकील ने अदालत में अर्जी दाखिल करते हुए कोर्ट को निर्देश देने की मांग की है। 2009 के लास वेगास में दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला ने अदालत में मामला दायर करके लाखों डॉलर की मांग की थी। कड़े शब्दों में तैयार किए गए अदालती दस्तावेज में रोनाल्डो के वकील पीटर क्रिस्टियनसेन ने अमेरिकी जिला न्यायाधीश जेनिफर डोर्सी से कहा कि महिला की वकील लेस्ली मार्क स्टोवल इस राशि के भुगतान के लिए निजी तौर पर जिम्मेदार हैं। स्टोवल ने बुधवार को फोन या ई-मेल संदेश पर प्रतिक्रिया नहीं दी।

जन्म से नहीं था बायां हाथ, अब अमेरिका की फुटबॉल टीम में शामिल होने वाली पहली दिव्यांग खिलाड़ी बनी

नई दिल्ली। कार्सन पिकेट अमेरिका की राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम में शामिल होने वाली पहली दिव्यांग खिलाड़ी हैं। उन्होंने कोलंबिया के खिलाफ अपने करियर की शुरुआत लेफ्ट बैक के रूप में की। वो 2016 से राष्ट्रीय महिला फुटबॉल लीग खेल रही हैं। जीवन में कई लोग सामान्य दिव्यांग की स्थिति में होने पर निराशा या अवसाद की जिंदगी जीते हैं। वह हर समय संघर्ष करते रहते हैं, लेकिन अमेरिका की 28 वर्षीय कार्सन पिकेट जो जन्म से ही बाएं हाथ के बिना थीं, अपनी मेहनत और लगन से अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टीम (सीनियर) में जगह पाने वाली पहली डिफेंडर दिव्यांग खिलाड़ी बन गई है। रियो टिंटो स्टेडियम में आयोजित कोलंबिया के खिलाफ मैत्री मैच में वह टीम के साथ 90

मिनट तक लेफ्ट बैक पर खेलतीं नजर आईं। इस मैच में अमेरिका ने कोलंबिया पर 2-0 से जीत दर्ज की। 2019 में भी वायरल हुई थी फोटो नार्थ कैरीलोना करेज फुटबॉल क्लब से खेलने वाली पिकेट ने पिछले दिनों राष्ट्रीय महिला फुटबॉल लीग (एनडब्लूएसएल) में अपना 100वां मैच पूरा किया। जून में उन्हें लीग के सर्वश्रेष्ठ 11 में चुना गया था। पिकेट 2016 में एनडब्लूएसएल से खेलना शुरू किया था। 2019 में उनकी एक फोटो इंटरनेट पर वायरल हुई थी, जिसमें वह एक मैच के दौरान स्टेडियम में बैठे एक छोटे बच्चे से मुलाकात कर रही हैं। उसका भी जन्म से एक हाथ नहीं था। अब तीन साल बाद वह फिर से अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण को लेकर चर्चा में हैं। इससे पहले वह यूएस-17 व यूएस-23 टीम में शामिल हो चुकी हैं। पिकेट कहती हैं कि अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना सपने का सच होने जैसा है।

राशीफल

मेष-:परिवर्तन और आत्मनिरीक्षण इस अवधि के दौरान सफलता की कुंजी है। आज आपको गुणवत्ता और प्रदर्शन पर जोर देना होगा।

वृष-:आज आपको करियर के मामले में कोई बड़ी सफलता मिलेगी. कार्यक्षेत्र में धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आज आप कुछ ऐसे लोगों से जुड़ेंगे जो आपकी हर तरह से मदद के लिए तैयार रहेंगे।

मिथुन-:आज धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी. कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा व्यस्त और तनावपूर्ण होगी। कार्यस्थल पर कार्यभार में तेजी से वृद्धि देखने को मिल सकती है।

कर्क-:आज आप अपने भविष्य और स्वास्थ्य को लेकर अधिक उत्सुक रहेंगे और सही लोगों से सलाह लेंगे. प्रचुर मात्रा में आर्थिक लाभ होने के संकेत हैं।

सिंह-:आज कार्यस्थल पर स्थिति अनुकूल रहेगी, लेकिन कुछ भी बोलते समय आपको सावधान रहना चाहिए. आप कुछ कहना चाहते हैं, लेकिन कुछ और कहेंगे। इससे आपके आसपास के लोगों को कुछ गलतफहमी भी हो सकती है।

कन्या-:आपका ज्ञान और हास्य आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा. आप अपनी मानसिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देख सकते हैं। यात्रा करने के लिए यह दिन आपके लिए बेहद खास रहने वाला है।

तुला-:लंबे समय से प्रतीक्षित कानूनी मामले का अचानक लिया गया फैसला आपको हैरान कर देगा। परिवार आपके लिए प्राथमिक है और आप उन्हें खुश करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

वृश्चिक-:आज आपके वैवाहिक संबंधों के बीच की दूरियां खत्म होंगी. वहीं रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी, लेकिन किसी व्यावसायिक मामले को लेकर आप परेशान हो सकते हैं।

धनु-:आज आपको परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा. आपके लिए कुछ फैसलों में सटीकता हो सकती है। आत्मविश्वास से जोखिम भरे कार्यों में सफलता मिल सकती है।

मकर-:आज के दिन आप तर्क-वितर्क और जिद्दी हो सकते हैं. आप खुद को कठिन परिस्थितियों में पा सकते हैं। जहां तक ??हो सके वाद-विवाद से दूर रहें। परिवार के सदस्य तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं।

कुंभ-:आज आपको कार्यक्षेत्र में वृद्धि के कुछ नए अवसर प्राप्त होंगे. आपको उधार दिया हुआ पैसा अचानक वापस मिलेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर कर सकते हैं। रिश्तों में सकारात्मकता आएगी।

मीन-:आज आपका दिन सुकून भरा रहेगा मनोरंजन और पढ़ाई के क्षेत्र में समय व्यतीत होगा. आपके काम को लेकर कोई नई योजना बन सकती है।

सम्पादकीय

लाहौर केस के सदाबहार क्रांतिकारी डॉक्टर गयाप्रसाद, संघर्ष की एक और अनकही दास्तां

गयाप्रसाद जी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। उन्हें पंजाब की जेलों में रखने के बाद महावीर सिंह के साथ बेलारी सेंट्रल जेल भेज दिया गया। वहां सत्याग्रहियों के साथ हो रहे उत्पीड़न के विरुद्ध साथ देने के लिए उन्हें कड़ी सजा मिली। जनवरी, 1933 में वह अंडमान भेज दिए गए, जहां उन्होंने 1937 की प्रसिद्ध भूख हड़ताल में हिस्सा लिया।कानपुर से जगदीशपुर गांव का वह सफर हमने बस और खड़खड़े पर बैठकर पूरा किया। शहीद भगत सिंह के साथी डॉ. गयाप्रसाद की इस बस्ती तक पहुंचने का मार्ग हमें हर पल रोमांच से भर देता रहा। उनके घर के दरवाजे पर नीम का दरख्त और पीछे चौपालनुमा कुछ हिस्सा। डॉक्टर साहब से भेंट हुई, तो कल्पना के रंगों से उनका मिलान मुश्किल था। ठिगनी और सामान्य-सी कद-काठी। धोती और बनियान लापरवाही से पहने हुए, लेकिन आंखें चश्मे से दूर तक झांक रही थीं। हम कल्पना भी नहीं कर पा रहे थे कि इसी शख्स ने भगत सिंह के साथ एक समय क्रांति के लंबे डग भरते हुए सुदूर अंडमान की लंबी सजा काटी। उन्होंने डॉक्टरी का पेशा जब शुरू किया, तब वह शादीशुदा थे। क्रांतिकारी दल में शामिल होने के बाद घर आकर पतने से कहा कि तुम अपने माथे का सिंदूर पोंछ डालो और मेरे सिर पर हाथ रखकर देश के लिए विदा करो। सुनकर पतने रोने-धोने लगीं। आखिर उन कठिन क्षणों में वह आजादी के संघर्ष में हिस्सेदारी करने के लिए निकल पड़े। हिंदुस्तान समाजवादी प्रजातंत्र संघ' के सदस्य के नाते उनकी सबसे बड़ी उपयोगिता यह थी कि बाहर डॉ. बीएस निगम के नाम से डॉक्टर की दुकान होती और भीतर क्रांतिकारियों के केंद्र में बम बनाने का कारखाना। वह आर्य समाज और गांधी के सत्याग्रह से भी जुड़े, लेकिन चौरी-चौरा की घटना के बाद वहां से उनका मन उचट गया और वह मजदूर सभा में आए। हरिहरनाथ शास्त्री और गणेशशंकर विद्यार्थी से उनकी भेंट हुई। वह मुनेश्वर अवस्थी से भी मिले, जो उन दिनों गोरखपुर से स्वदेश का संपादन करने के साथ ही क्रांतिकारी दल से संबद्ध थे। क्रांति के मार्ग पर चलते हुए उनकी मुलाकात विजयकुमार सिन्हा, शिव वर्मा, सुरेंद्र पांडेय, जयदेव कपूर, भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद से हुई, जो समाजवाद के प्रति गहरे तक समर्पित थे। आजाद से वह पहली बार झांसी में मिले। जाजमऊ के पास होने वाली बैठक के लिए उन्हें आजाद को झांसी लाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। क्रांतिकारी भगवानदास माहौर से भी वहीं के एक पुस्तकालय में आमना-सामना हो गया। दल के नेता योगेश चंद्र चटर्जी को जेल से छुड़ाने की कोशिशों में वह एक बार पुलिस के हाथों में आने से बाल-बाल बचे। बाद में वह फीरोजपुर जाकर छिपे तौर पर डॉक्टरी की प्रैक्टिस करने लगे। वहां उनके साथ दल का सदस्य जयगोपाल भी था, जो बाद में मुखबिर बना। भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त द्वारा दिल्ली की केंद्रीय असेंबली में बम फेंके जाने से पहले आगरा क्रांतिकारियों का केंद्र बन गया था। वहां हींग की मंडी में बम बनाने का कारखाना स्थापित किया गया। भगत सिंह के बुलावे पर बंगाल से यतींद्रनाथ दास ने आकर बम बनाने की कला सिखाई। आगरा में गयाप्रसाद को यह काम सौंपा गया कि वह सहारनपुर जाकर किराये पर मकान लेकर इस तरह रहें कि किसी को शक न हो। बाहर होम्योपैथिक दवाखाना और भीतर पार्टी का काम। बाद में लाहौर षड्यंत्र मामले में इसी केंद्र पर जयदेव कपूर, शिव वर्मा और डॉक्टर साहब गिरफ्तार कर लिए गए। लाहौर में सुखदेव पहले ही पकड़े जा चुके थे। लाहौर मुकदमे में अभियोग पक्ष एक भी ऐसा सबूत पेश नहीं कर सका कि गयाप्रसाद किसी सशस्त्र कार्रवाई में लिप्त थे। पर वह जिस दल के सदस्य थे, उसने हुकूमत के खिलाफ युद्ध का एलान किया था और वह एक बम फैक्टरी के भीतर गिरफ्तार हुए थे। उन्हें सजा दिलाने के लिए यह पर्याप्त था। जेल में क्रांतिकारियों की तीन श्रेणियां थीं। पहली पंक्ति उनकी थी, जिनका केस वकीलों को लड़ना था। इसमें देशराज, प्रेमदत्त, मास्टर आज्ञाराम, अजय घोष और पं. किशोरीलाल थे। दूसरी श्रेणी शत्रु की अदालत को मान्यता न देने वालों की थी, जिसमें डॉ. गयाप्रसाद, महावीर सिंह, बटुकेश्वर दत्त, कुंदनलाल और जितेंद्रलाल सान्याल, तथा तीसरी श्रेणी में अपना केस खुद लड़ने वाले भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, शिव वर्मा, जयदेव कपूर, विजय कुमार सिन्हा, कमलनाथ तिवारी और सुरेंद्र पांडेय को रखा गया।

भारतीय अर्थव्यवस्था : क्यों गिरता जा रहा है रुपया, क्या हैं इसके मायने आरबीआई के पास क्या हैं विकल्प

अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष-2023 के लिए चालू खाता घाटा भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 2.9 फीसदी से तीन फीसदी तक बढ़ सकता है, जो रुपये पर और दबाव डालेगा। मुख्य बातें और भावनाएं उभरते बाजार की मुद्राओं के खिलाफ हैं। अन्य मुद्राओं के साथ भारतीय रुपया भी लगातार गिर रहा है, क्योंकि इस वर्ष अमेरिकी डॉलर में जोरदार तेजी आई है। प्रति डॉलर के मुकाबले 79 रुपये के स्तर तक गिरने के कारण वर्ष 2022 की पहली छमाही में रुपये में छह प्रतिशत की गिरावट चिंताजनक है। गिरता रुपया मुद्रास्फीति के खिलाफ लड़ाई को और कठिन बना देता है, क्योंकि रिजर्व बैंक को मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने के लिए दरों को और बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ेगा, जिसके चलते आर्थिक विकास कम होगा। चूंकि भारत अपनी जरूरतों का 85 फीसदी से अधिक कच्चे तेल का आयात करता है, ऐसे में गिरता हुआ रुपया आयात बिल बढ़ाता है और उच्च मुद्रास्फीति से पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। इस वर्ष, मुख्य रूप से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों या एफपीआई द्वारा नियमित रूप से इक्विटी बाजार से धन निकालने, कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के साथ आयात बिल बढ़ने के कारण भारत का व्यापार संतुलन बिगड़ने और दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर में 20 फीसदी से अधिक की मजबूती के कारण रुपये पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। एफपीआई ने इस वर्ष जनवरी से जून के अंत तक भारतीय शेयर बाजार से 28 अरब डॉलर से अधिक की निकासी की है। ब्राजील जैसे कमोडिटी चालित बाजारों को छोड़कर उन्होंने ज्यादातर उभरते बाजारों से धन निकाला है। एफपीआई ने इस साल 2.3 अरब डॉलर के भारतीय बॉन्ड भी बेचे हैं। जाहिर है, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा इतने बड़े पैमाने पर बिकवाली रुपये को और कमजोर करती है। इसके बावजूद मुद्रा बाजार में रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप के कारण रुपये की स्थिति अन्य एशियाई मुद्राओं की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर रही है। हालांकि,

व्यापक व्यापार और चालू खाता घाटा (सीएडी) और निरंतर विदेशी पोर्टफोलियो बहिर्वाह के साथ, नीचे की ओर दबाव बढ़ गया है। रिजर्व बैंक ने आधिकारिक तौर पर रुपये के लिए कोई स्तर निर्धारित नहीं किया है। लेकिन उसने रुपये की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया है। हाल ही में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भले ही रुपये का स्तर बाजार द्वारा निर्धारित होता है, लेकिन रिजर्व बैंक मुद्रा में 'मूल्यह्रास' की अनुमति नहीं देगा। इसी तरह 24 जून को, डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा ने एक उद्योग सम्मेलन में भारतीय रुपये के स्तर पर रिजर्व बैंक की नीति के बारे में कहा, 'हम इसकी स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे, और हम यह काम निरंतर कर रहे हैं।' रिजर्व बैंक में मौद्रिक नीति विभाग की देखभाल करने वाले पात्रा ने जोर देकर कहा कि हाल के दिनों में भारतीय मुद्रा में सबसे कम मूल्यह्रास देखा गया है। उन्होंने कहा कि 'हमें नहीं पता कि रुपया कहां तक गिरेगा। यहां तक कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व को भी नहीं पता कि डॉलर कहां जाएगा? लेकिन एक बात ध्यान रखिए कि हम रुपये की स्थिरता के लिए खड़े रहेंगे और ऐसा हम निरंतर कर रहे हैं, यहां तक कि इस समय भी, जब मैं बोल रहा हूं। हम बाजार में हैं। हम रुपये में अव्यवस्थित उतार-चढ़ाव की अनुमति नहीं देंगे। हमारे मन में कोई स्तर नहीं है, लेकिन हम झटकेदार हरकतों की अनुमति नहीं देंगे। ...यह व्यापक रूप से ज्ञात हो कि हम बाजार में रुपये की अस्थिरता के खिलाफ बचाव कर रहे हैं। 'कुल मिलाकर, अगले कुछ महीनों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के धीरे-धीरे गिरकर लगभग 81 रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर आने की उम्मीद है। रिजर्व बैंक रुपये के प्रति धारणा को मजबूत करने और स्थिर रुपये को सुनिश्चित करने के लिए राज्य के स्वामित्व वाले बैंकों के माध्यम से हाजिर (स्पॉट) एवं वायदा बाजार (फॉरवर्ड मार्केट) में हस्तक्षेप करने के लिए 590 अरब डॉलर से अधिक के मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग कर रहा है। मजबूत अमेरिकी डॉलर के वैश्विक रुझान, अमेरिकी फेड की बढ़ती दरें, भारतीय स्टॉक और ऋण बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा धन निकासी के साथ-साथ कमोडिटी, खासकर कच्चे तेल की बढ़ती कीमत, जिसका भारत सबसे बड़ा आयातक है, ये सभी रुपये में गिरावट के लिए जिम्मेदार हैं। हालांकि यह देखने लायक है कि रुपये ने अधिकांश अन्य उभरते बाजार की मुद्राओं की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है और जापानी येन के मुकाबले भी उसका प्रदर्शन अच्छा है, जो हाल ही में 25 साल के सबसे निचले स्तर पर एक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 135 येन पर पहुंच गया है, और उसमें और गिरावट की प्रवृत्ति है। सरकार भी रुपये के इस मूल्यह्रास और घरेलू मुद्रास्फीति पर इसके प्रभाव पर अंकुश लगा रही है। सोने पर आयात शुल्क में इस महीने की शुरुआत से पांच फीसदी की वृद्धि कर सरकार ने सोना आयात पर अंकुश लगाने की कोशिश तो की ही है, इसने डीजल, विमानन ईंधन और गैसोलीन जैसे पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर निर्यात कर भी लगाया है। ये सभी उपाय बढ़ते व्यापार घाटे, भुगतान असंतुलन और चालू खाता घाटे को नियंत्रित करने के लिए किए गए हैं। अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष-2023 के लिए चालू खाता घाटा भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 2.9 फीसदी से तीन फीसदी तक बढ़ सकता है, जो रुपये पर और दबाव डालेगा। मुख्य बातें और भावनाएं उभरते बाजार की मुद्राओं के खिलाफ हैं। इस परिदृश्य में, केंद्रीय बैंकों को एक विकल्प खोजना होगा, कि क्या उन्हें मुद्राओं की रक्षा के लिए दरों में तेज वृद्धि करनी चाहिए और अर्थव्यवस्था में विकास को जोखिम में डालना चाहिए, या अपने विदेशी मुद्रा भंडार को खर्च करना चाहिए, जिसे विदेशी मुद्रा बाजारों में हस्तक्षेप करने में वर्षों लग गए, या बाजारों को अपनी मुद्राओं के लिए स्तर खोजने दें। एक बहुत ही अस्थिर और अप्रत्याशित वातावरण में रुपये के मूल्यह्रास को सुनिश्चित करने के लिए रिजर्व बैंक अपने सभी साधनों का उपयोग करते हुए एक संतुलन बना रहा है। अगले कुछ महीनों में हम रुपये को एक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81 के स्तर पर देखेंगे। रुपये का मूल्यह्रास तब तक जारी रहेगा, जब तक वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति बढ़ती रहेगी और वैश्विक केंद्रीय बैंक दरें नहीं बढ़एंगे। एक बार जब हम मुद्रास्फीति में गिरावट देखेंगे, तो ब्याज दर वृद्धि चक्र भी बदल जाएगा और फिर हम उभरते बाजारों में ब्याज फिर से बढ़ते हुए देखेंगे।

राजनीति : महिलाओं की घटती सियासी भागीदारी, हर मोर्चे पर आ रहे बदलाव का संकेत

कहना गलत नहीं होगा कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी वहां की आम स्त्रियों की सामाजिक-पारिवारिक परिस्थितियों की बानगी भी होती है। राजनीतिक पटल पर आधी आबादी की हिस्सेदारी यह भी बताती है कि उन्हें अपने फैसले लेने का कितना हक है? अपनी प्राथमिकताओं के चुनाव को लेकर कितनी आजादी हासिल है महिलाओं की सियासी भागीदारी

का बदलता परिदृश्य देश में हर मोर्चे पर आ रहे बदलाव को रेखांकित करता है। विशेषकर जमीनी स्तर पर स्त्रियों की मुखर राजनीतिक हिस्सेदारी से हाल के बर्षों में बहुत से सकारात्मक बदलाव भी आए हैं। ऐसे में हाल में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से सतत विकास के लक्ष्यों की प्रगति को लेकर आई एक रिपोर्ट वाकई चिंतनीय है। चुनाव आयोग और पंचायती राज मंत्रालय से लिए गए आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक, देश में विधानसभा और स्थानीय निकायों में आधी आबादी का प्रतिनिधित्व घटा है। लोकसभा में महिला प्रतिनिधियों की हिस्सेदारी में हुए इजाफे के बावजूद विधानसभाओं और पंचायती राज संस्थानों में उनकी संख्या बढ़ने के बजाय घट रही है। उल्लेखनीय है कि परंपरागत ढांचे वाले हमारे समाज में बुनियादी स्तर पर घट रही राजनीतिक भागीदारी महिला जीवन के हर पक्ष पर नकारात्मक असर डालने वाली है। इसीलिए स्वास्थ्य, शिक्षा, समानता और सुरक्षा जैसे जरूरी मुद्दों को जमीनी हालात के परिप्रेक्ष्य में रखकर समझना और उनका हल तलाशना सबसे ज्यादा जरूरी है। बदलाव की यह बयार नीचे से ऊपर की ओर बहे, तो महिलाओं से जुड़ी कई व्यक्तिगत और सामुदायिक समस्याएं सुलझ सकती हैं। सतत विकास के लक्ष्यों में से एक लक्ष्य महिलाओं के सशक्तीकरण, समाज में समानता और नीति निर्माण में उनकी हिस्सेदारी से गहराई से जुड़ा है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, पंचायती राज संस्थानों में वर्ष 2014 में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 46.14 प्रतिशत था, जो साल 2019 तक घटकर 44.37 प्रतिशत रह गया। शहरी निकायों में यह भागीदारी साल 2019 में 43.16 फीसदी रही है। इतना ही नहीं, महिला मतदाताओं में आई जागरूकता और सजगता के बावजूद चुनावी मैदान में उतरने वाली महिलाओं की संख्या में भी कोई विशेष बढ़ोतरी नहीं हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2019 में विधानसभाओं की 11 फीसदी सीटों पर महिलाएं काबिज थीं। वर्ष 2020 में भी यह स्थिति कायम रही। लेकिन 2021 में यह हिस्सेदारी घटकर नौ फीसदी रह गई। लोकसभा में हालांकि, महिला सांसदों की हिस्सेदारी बढ़ी है। 2014 में जहां उनके पास 11.42 फीसदी सीटें थीं, वहीं 2019 में यह 14.36 तक पहुंच गई। दरअसल, बड़ी आबादी वाले हमारे देश में सत्ता का विकेंद्रीकरण किए बिना नीतियों और योजनाओं को देश के कोने-कोने तक पहुंचाना संभव न था। इसीलिए स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था को उपयोगी माना गया। यह सत्ता की कुंजी दूर-दराज़ के गांवों से देश की संसद तक ले जाने का माध्यम है। विचारणीय है कि आज भी जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा तो गांवों में ही बसता है। यही वजह है कि संविधान के 73वें संशोधन अधिनियम में पंचायतों को स्वशासन की संस्थाओं के रूप में काम करने के लिए आवश्यक शक्तियां और अधिकार दिए गए हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और जन सामान्य के सबलीकरण हेतु जो कदम पंचायतें स्थानीय स्तर पर उठा सकतीं हैं, उनकी बराबरी दूसरी नीतियां और योजनाएं नहीं कर सकतीं। आज भी गांवों में सामुदायिक स्तर पर कई बातों को लेकर जन-जागरूकता की कमी और सामाजिक-आर्थिक मोर्चों पर मौजूद विषमता से जूझने की स्थितियां बनी हुई है। इन हालतों से जूझने, बेहतर ढंग से समझने एवं समाधान तलाशने के लिए ही पंचायती राज संस्थानों में 73वें संविधान संशोधन विधेयक के जरिये 1992 में ही कम से कम 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई थीं। कई राज्यों ने इसे बढ़ाकर 50 फीसदी तक भी कर दिया है। ऐसे में स्थानीय राजनीति में आधी आबादी की घटती भागीदारी के ये आंकड़े वाकई चिंतनीय है। कहना गलत नहीं होगा कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी वहां की आम स्त्रियों की सामाजिक-पारिवारिक परिस्थितियों की बानगी भी होती है। राजनीतिक पटल पर आधी आबादी की हिस्सेदारी यह भी बताती है कि उन्हें अपने फैसले लेने का कितना हक है? अपनी प्राथमिकताओं के चुनाव को लेकर कितनी आजादी हासिल है? इतना ही नहीं, स्त्रियों की राजनीतिक भागीदारी लैंगिक समानता के हालात को भी सामने रखती है। यह जरूरी है कि आधारभूत स्तर पर उनकी भागीदारी बनी रहनी चाहिए।

आधारभूत संरचना के विकास पर जोर, सब सही रहने पर आएगा आमूलचूल बदलाव

ऑनलाइन शिक्षा हो या ऑनलाइन वस्तुओं का क्रय-विक्रय, इन सब में इसकी बड़ी भूमिका रही है। इंटरनेट टेकनेलॉजी के तीव्र विस्तार ने ग्रामीण क्षेत्र को भी बहुत सहारा दिया है। 5जी के आ जाने के बाद इसमें और सुधार होगा तथा औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की छठी बड़ी अर्थव्यवस्था में गिनी जाती है। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती दिनों में 9.5 प्रतिशत विकास दर अनुमानित की गई थी। पर युद्ध के कारण कच्चे तेल में आई तेजी से यह विकास दर अब सात से आठ प्रतिशत के बीच आंकी जा रही है। मध्यवर्गीय आय समूह की बढ़ रही क्रय क्षमता के आधार पर यह भी कहा जा रहा है कि 2030 तक हमारी अर्थव्यवस्था जापान की अर्थव्यवस्था से बड़ी हो जाएगी। आधारभूत संरचनाओं में हो रहे आमूलचूल परिवर्तन भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए वैश्विक स्तर पर एक सकारात्मक रुख रखे हुए है। मोदी सरकार ने आधारभूत संरचनाओं के विकास को आर्थिक सुधारों में प्राथमिकता पर रखा है। इसके अंतर्गत सड़क निर्माण, रेलवे का विकास, टेलीकॉम क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन, ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता तथा समुद्री क्षेत्र के आधुनिकीकरण को मुख्य उद्देश्यों में रखा गया। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए अब रेलवे के तीव्र आधुनिकीकरण की, प्रबंधन को अधिक कुशल बनाने की तथा इसे अधिक सेवा उन्मुख करने की जरूरत है। वर्ष 2024 तक रेलवे का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण करने का उद्देश्य है। माल ढुलाई परिचालनों में आमूलचूल बदलाव के लिए 'गति शक्ति योजना' के तहत 500 'मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल' बनाने का भी लक्ष्य है। इसके माध्यम से सड़क, जलमार्ग, वायुमार्ग या अन्य साधनों को रेलवे टर्मिनल के साथ एकीकृत किया जा सकेगा। वर्ष 2030 तक सौर ऊर्जा के माध्यम से रेलवे को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का भी लक्ष्य है। आने वाले समय में अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए हरित ऊर्जा एक बहुत बड़ा विकल्प होगी। भारत हरित ऊर्जा के उत्पादन में चौथे स्थान पर है। वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन चिंता का कारण है, पर भारतीय अर्थव्यवस्था हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो सकती है। ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन में भी संभावनाएं हैं। भारतमाला परियोजना द्वारा राजमार्गों के विकास को तीव्र गति दी जा रही है। केंद्रीय बजट में सड़क परिवहन के विकास के लिए आवंटन बढ़ाया गया है। इससे जहां पर्यटन का क्षेत्र और विकसित होगा, वहीं आवागमन भी और सुविधाजनक व सुरक्षित होगा।

महंगाई की मार और वैश्विक मंदी की आहट रोजगार तो दूर आने वाले समय में छिन सकती हैं नौकरियां

महंगाई की मार झेल रही दुनिया को अब वैश्विक मंदी की आहट सता रही है। वर्तमान समय में दुनिया के कई देशों में महंगाई अपने उच्च स्तर पर पहुंच चुकी है। महंगाई की दरें कई देशों में डबल डिजिट को क्रॉस कर रही हैं। इस कारण विभिनन देशों के केंद्रीय बैंक एक्शन मोड में आ गए हैं और अपनी मौद्रिक नीतियों में बड़े बदलाव कर रहे हैं। महंगाई को नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय बैंक नियमित तौर पर ब्याज दरों में इजाफा कर रहे हैं। इस कारण स्टॉक मार्केट में भी लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इन हालात को देखते हुए कई बड़े बैंक और संस्थाएं ये संकेत करने लगी हैं कि आने वाले वक्तों में दुनिया एक वैश्विक मंदी के दौर में प्रवेश कर सकती है। हाल ही में उदर्स्ह ऐमे ने अपनी फॉरकास्ट में इस बात के संकेत दिए हैं कि आने वाले साल में दुनिया भर में मंदी आने की 30 प्रतिशत तक संभावना है। वहीं बैंक ऑफ अमेरिका की मानें तो साल 2023 में वैश्विक मंदी आने की 40 प्रतिशत तक संभावना है। इस कारण को लेकर चर्चाएं काफी तेज हो गई हैं। हर देश की अर्थव्यवस्था के साथ उतार-चढ़ाव का साइकल चलता रहता है। हालांकि, एक समय ऐसा आता है जब किसी देश की जीडीपी बढ़ने की जगह रुक जाती है या नकारात्मक होने लगती है। अगर ये जीडीपी दरें लगातार दो क्वार्टर या उससे ज्यादा समय तक नेगेटिव रहती हैं। ऐसे में इस दौर को आर्थिक मंदी कहा जाता है। अमेरिका के के मुताबिक जब किसी देश की अर्थव्यवस्था में पिछले 6 महीनों से लेकर 1 साल तक लगातार जीडीपी, आय, रोजगार और व्यापार में गिरावट देखने को मिलती है। उस दौर को आर्थिक मंदी के तौर पर जाना जाता है। इस समय दुनिया भर में महंगाई की रफ्तार काफी तेजी से बढ़ रही है। इससे भारत भी अछूता नहीं है। बढ़ती मुद्रास्फीति के दौर में पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, तेल और कई दूसरी जरूरी वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। ऐसे में इसका बुरा असर लोगों की जेबों पर पड़ रहा है। वहीं अमेरिका में महंगाई की दरों ने पिछले 40 सालों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। रिपोर्ट्स की मानें, तो अमेरिका में महंगाई की दरें 8.6 फीसदी क्रॉस कर चुकी हैं। दुनिया भर में बढ़ रही इस महंगाई के पीछे दो प्रमुख वजह कोरोना महामारी और रूस यूक्रेन युद्ध हैं। दोनों प्रमुख घटनाओं की वजह से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला नकारात्मक तौर पर प्रभावित हुई है। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक स्तर पर बाजारों में लिक्विडिटी बढ़ी थी। इस कारण जब धीरे-धीरे जरूरी वस्तुओं को लेकर मांग बढ़ने लगी। उसी के समानांतर आपूर्ति श्रृंखला के बाधित होने की वजह से जरूरी वस्तुओं की सप्लाई काफी कम थी। ऐसे में वस्तुओं की कीमतें बढ़ने लगीं। वहीं बाद में रूस यूक्रेन युद्ध ने भी ग्लोबल सप्लाई चेन को बाधित कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

शार्प शूटर फौजी और केशव समेत चार आरोपियों की दोपहर में होगी मानसा कोर्ट में पेशी, पुलिस ने करवाया मेडिकल

नई दिल्ली। सिद्धू मूसेवाला के आरोपियों का ट्रांजिट रिमांड देते समय कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि आरोपियों की मेडिकल जांच सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार की जाए। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में प्रियव्रत उर्फ फौजी, केशव, कशिश और दीपक का सिविल अस्पताल मानसा में मेडिकल करवाया। अब दोपहर में एक बजे सभी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पंजाब पुलिस ने सोमवार को मूसेवाला हत्याकांड में दो शूटरों समेत चार लोगों का दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड हासिल किया था। सिद्धू मूसेवाला की 29 मई 2022 को मानसा में कुछ बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने प्रियव्रत उर्फ फौजी (मुख्य शूटर), कशिश उर्फ कुलदीप (शूटर), दीपक उर्फ टीनू (गैंगस्टर लॉरेंस बिशनेई का करीबी और दिल्ली पुलिस की तरफ से प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया) और केशव कुमार (मुख्य शूटरों को वाहन मुहैया करवाने और फरार होने में मदद करने वाला) का ट्रांजिट रिमांड हासिल किया था।

हाइब्रिड आतंकियों का नेटवर्क बनाकर टारगेट किलिंग करना चाहता था तालिब

नई दिल्ली। आतंकी तालिब की निशानदेही पर राजोरी में हथियार और गोला बारूद बरामद किया गया है। इस दौरान चार स्टिकी बम भी मिले हैं, जो पूरी तरह से तैयार थे। यह बम बिल्कुल उनके जैसे हैं, जो कठुआ में इसी वर्ष 29 मई को मिले थे। तब ड्रोन से पाकिस्तान ने 7 स्टिकी बम भेजे थे। दोनों बम एक जैसे हैं। रियासी में पकड़ा गया खूंखार आतंकी तालिब हुसैन कश्मीर की तरह जम्मू संभाग में टारगेट किलिंग के लिए हाइब्रिड आतंकियों का नेटवर्क खड़ा कर रहा था, जिसके निशाने पर संभाग के कई बड़े नेताओं से लेकर सरकारी कर्मी शामिल थे। वह टारगेट किलिंग के जरिए संभाग में न सिर्फ आतंकवाद को दोबारा जिंदा करना चाहता था, बल्कि माहौल भी खराब करना चाहता था। इसके लिए वह लगातार पाकिस्तान में बैठे लश्कर के हैंडलरों के संपर्क में था। तालिब जम्मू, उधमपुर, रामबन, किश्तवाड़, डोडा, रियासी, राजोरी और पुंछ में टारगेट किलिंग के लिए हाइब्रिड आतंकियों का नेटवर्क खड़ा करना चाहता था।

अगले २४ घंटे में गर्मी के तेवर होंगे ढीले, आज कुछ जगहों पर हो सकती है बारिश

नई दिल्ली। राजधानी में उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। मानसून वाले बदरा रूक-रूक कर दिल्ली के ऊपर आसमान में सिर्फ डेरा डाल आगे बढ़ रहे है। बारिश न होने की वजह से तेज धूप व नमी वाली हवा से उमस बढ़ गई है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले 24 घंटे यानि बुधवार को मानसून की बारिश एक बार फिर गर्मी के तेवर ढीले कर सकती है। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए यलो अलर्ट जारी करते हुए बारिश की संभावना जताई थी। हालांकि, दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई है। आधिकारिक मानक केंद्र सफदरजंग पर सुबह साढ़े आठ बजे तक 0.1 मिमी बारिश का रिकॉर्ड है। वहीं, सुबह नौ बजे से लेकर शाम साढ़े पांच 0.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। मयूर विहार में 4.5 मिमी और स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में दो मिमी बारिश दर्ज हुई है। दिल्ली के

अधिकांश इलाकों में तेज धूप निकली रही और लोग उसम से परेशान रहे। अधिकतम तापमान सामान्य के बराबर 36.8 व न्यूनतम तापमान भी सामान्य के बराबर 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 62 से 89 फीसदी रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि मंगलवार को बादल छाए रहने के साथ कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है। हालांकि, बुधवार को पूरे दिल्ली-एनसीआर में बारिश हो सकती है। दिल्ली के लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 36 व न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। अधिकतम तापमान- 36 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान- 26 डिग्री सेल्सियस सूर्यास्त का समयः 7:23 बजे सूर्योदय का समयः 5:29 बजे -आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ कुछ जगहों पर हल्की बारिश की संभावना। मध्यम रफ्तार से चलेंगी हवाएं। हवा में नमी का स्तर रहेगा सामान्य।

सिविक एजेंसियां जल्द नहीं सुधरीं तो बारिश में ठप हो सकती है दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली की सिविक एजेंसियां अगर जल्द नहीं सुधरीं तो तेज बारिश में दिल्ली ठप हो सकती है। अलग-अलग इलाकों में 96 जगहों पर जल जमाव होगा। निकासी का उचित इंतजाम किया जाए। ऐसा न होने की सूरत में इन जगहों पर बारिश में जल जमाव होगा। सभी एजेसियों को पत्र लिखकर ऐसी जगहों की जानकारी

नतीजा जिसका ट्रैफिक जाम के तौर पर मिलेगा। ट्रैफिक पुलिस ने 30 जून की पहली मानसूनी बारिश में सड़कों पर जल जमाव वाली जगहों की पहचान की है। दिल्ली सरकार, एमसीडी समेत सभी संबंधित एजेसियों को पुलिस ने आगाह किया है कि इन जगहों पर तत्काल जल दी है, जहां पहली मानसूनी बारिश के दौरान दो से तीन घंटे के बीच जाम लगा था दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में 30 जून को जो बारिश हुई थी उसमें में पूरी दिल्ली में 96 जगहों पर जबदस्त जाम लगा था। सभी जगहों पर जाम जलजमाव के कारण लगा था। वहां पर वाहनों की गति कई घंटे तक रूकी रही थी। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के अनुसार दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ईस्टर्न रेंज में करीब 10 जगहों पर जबरदस्त जाम लगा था। गोकलपुरी-लोनी गोल चक्कर के पास करीब एक घंटे जाम लगा था। सीलमपुर, सीमापुरी, प्रीत विहार, प्रीत विहार- विजय चौक-विकास मार्ग और प्रीति विहार मेट्रो स्टेशन पर जलभराव से करीब तीन घंटे जाम लगा था। मध्य परिक्षेत्र में करीब 10 से ज्यादा जगहों पर जाम लगा था। आनंद रोहतक रोड और जाखिरा फ्लाईओवर पर पूरे दिन ट्रैफिक सामान्य नहीं हो पाया था। उत्तरी रेंज में करीब छह जगहों पर जलभराव से काफी लंबा जाम लगा था। नई दिल्ली परिक्षेत्र में करीब 14 जगहों पर बड़ा जाम लगा था। नई दिल्ली में मथुरा रोड, प्रगति मैदान, भैरो मार्ग प्रगति मैदान गेट-4, अकबर रोड-मौलाना आजाद रोड, उद्योग भवन, बोट क्लब और रेल भवन के पास जाम लगा था। दक्षिणी परिक्षेत्र में करीब 30 से ज्यादा जगहों पर जाम लगा था। अरविंदो मार्ग पर दो घंटे, रिंग रोड पर एक घंटे और पूरे एमबी रोड पर जलभराव के कारण लगे जाम में वाहन करीब दो घंटे तक फंसे रहे। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने जिन जगहों पर जलभराव हुआ है वहां की सिविक एजेंसियों को पत्र लिखा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पीडब्लूडी, एमसीडी व एनडीएमसी को बारिश के बाद ही पत्र लिख दिया गया था। पत्र में जलभराव के कारण पता करने के लिए कहा गया है। ताकि अगली बारिश में जलभराव न हो और ट्रैफिक सामान्य रूप से चल सके। दिल्ली में 30 जून को हुई बारिश में जिन 96 जगहों पर जबरस्त जाम लगा था उसमें से करीब नौ जगहों पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दौरा किया था। उन्होंने वहां पहुंचकर जलभराव के कारणों को जाना। बताया जा रहा है कि वह मिंटो ब्रिज पर भी गए थे। यहां जलभराव को लेकर अफसरों को काफी खरी-खोटी सुनाई थी।

पांच जिलों में आज भारी बारिश की संभावना, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

देहरादून । मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि देहरादून, नैनीताल, पौड़ी, टिहरी, चंपावत में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है। इस संबंध में राज्य आपदा प्रबंधन विभाग को रिपोर्ट भेजी जा चुकी है। मानसून

आने के बाद जहां झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया, वहीं 24 घंटे में देहरादून, नैनीताल, पौड़ी, टिहरी, चंपावत में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है। बारिश को देखते हुए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। पिछले 24 घंटे में दून के अलावा चमोली, उत्तरकाशी, अल्मोड़ा, पौड़ी गढ़वाल, चंपावत, रुद्रप्रयाग, नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, बागेश्वर, हरिद्वार, टिहरी गढ़वाल समेत सभी जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश तो कहीं हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे में दून व आसपास के इलाकों में भारी बारिश की संभावना है। डीएम डॉ. आर राजेश कुमार ने आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी अफसरों को अलर्ट रहने के आदेश दिए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि देहरादून, नैनीताल, पौड़ी, टिहरी, चंपावत में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है। इस संबंध में राज्य आपदा प्रबंधन विभाग को रिपोर्ट भेजी जा चुकी है।

गोल्डी ने बताया था खुल गया है मूसेवाला के घर का दरवाजा, 19 साल के अंकित ने मारी थीं 20 गोलियां

नई दिल्ली। गोल्डी बरार-लारेंस बिश्नोई गिरोह के सबसे युवा शूटर हरियाणा के अंकित उर्फ छोटा ने सिद्धू मूसेवाला को 20 गोलियां मारी थीं। उसने दोनों हाथों में एक-एक पिस्टल लेकर पंजाबी गायक पर नजदीक जाकर गोलियां चलाई थीं।

उसने दोनों ही पिस्टल खाली कर दी थीं। बताया जा रहा है कि अंकित ने ही गायक मूसेवाला को सबसे ज्यादा गोलियां मारी थीं। दूसरी तरफ सिद्धू मूसेवाला की हत्या से पहले गोल्डी बरार का प्रियव्रत उर्फ फौजी के पास फोन आया था। उसने ही बताया था कि सिद्धू मूसेवाला के घर का दरवाजा खुल गया है। पुलिस ने अंकित व सचिन दोनों को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अंकित को सिद्धू मूसेवाला के करीब जाने के लिए प्रियव्रत उर्फ फौजी ने बोला था। अंकित लारेंस बिशनई-गोल्डी बरार गिरोह में जल्द ही अपना नाम कमाना चाहता था। उसने फोटो भी खिंचवाई थी, जिसमें कारतूस से सिद्धू मूसेवाला लिखा है और पीछे बैठकर हत्या के लिए संकेत दे रहा है। स्पेशल सेल के विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने बताया कि पंजाबी गायक की हत्या करने के बाद आरोपी शूटर एक दिन से ज्यादा कहीं नहीं रूके। आरोपी पांच राज्यों में घूमते रहे। इस दौरान ये फतेहाबाद, तोशाम, पिलानी, कच्छ, मध्यप्रदेश, बिलासपुर, यूपी व झारखंड में रूके। बताया जहां रहा है कि ये दिल्ली व हरियाणा में भी आए थे। अंकित ने पूछताछ में बताया कि वह दो से सात जून तक कच्छ में रूके थे। यहां पर प्रियव्रत उर्फ फौजी बिना मास्क के घूमने लग गया था। हालांकि उसने हुलिया बदलने के लिए दाढ़ी छोटी करवा ली थी। उसकी बिना मास्क के घूमने की वजह से अंकित, दीपक मुंडी और सचिन भिवानी प्रियव्रत से अलग हो गए थे और वहां भाग निकले थे। विशेष पुलिस आयुक्त ने बताया कि कनाडा में बैठा गोल्डी बरार ने शार्प शूटरों को 28 मई को कॉल किया था। उसने अगले दिन यानि 29 मई को वारदात करने को कहा था। वारदात से डेढ़ घंटे पहले गोल्डी ने प्रियव्रत को फोन किया था और बताया था कि मूसेवाला के घर का बड़ा दरवाजा खुल गया है और कभी भी घर से बाहर जा सकता है। जब पंजाबी गायक घर से निकला तो एक इंटरनेट कॉल आई कि मूसेवाला अपने दो साथियों के साथ निकल रहा है और उसके साथ सुरक्षा गार्ड नहीं हैं। सिद्धू की हत्या करने के बाद प्रियव्रत ने गोल्डी को फोन कर बताया था कि काम हो गया है। स्पेशल सेल के पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी शूटर ने पंजाब पुलिस की वर्दी सिद्धू मूसेवाला की हत्या के लिए ली थी। इन्हें पंजाब में तीन पंजाबी युवकों ने वर्दी दी थी। आरोपियों की साजिश थी कि अगर वह सिद्धू की हत्या नहीं कर पाएंगे तो वह पुलिस की वर्दी में मूसेवाला के घर दबिश देने के बहाने जाएंगे और उसकी हत्या कर देंगे। बाद में इन्होंने वर्दी अपने साथ रखी हुई थी। इनको लगा कि अगर कभी पुलिस ने घेर लिया तो वह वर्दी पहनकर फरार होने में कामयाब हो जाएंगे। पुलिस की जांच में ये बात सामने आई है कि पंजाबी गायक की हत्या में जो हथियार इस्तेमाल हुए हैं उन्हें दो दिन बाद एक जून को कोई अनजान व्यक्ति ले गया था। हथियार अनजान व्यक्ति को देने की पहले से प्लानिंग थी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि हथियार कहां है और कहां से खरीदे गए थे। आरोपियों के मोबाइल से एक वीडियो मिला है। इस वीडियो में एक कार में बैठे हैं और दोनों हथियार दिखा रहे हैं। आरोपियों के दोनों हाथों में हथियार हैं। कार में गाना चल रहा है और आरोपी हंसते हुए हथियार दिखा रहे हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

हिमाचल में सेब की पैकिंग ट्रे के फिर बढ़ गए दाम, एक बंडल की कीमत इतने रुपये पहुंची

हिमाचंल पदेश। जुलाई माह के लिए इसी हफ्ते नए दाम तय होने हैं जिसमें और अधिक इजाफा होने का अनुमान है। बीते साल के मुकाबले इस साल पहले ही कार्टन के दाम करीब 18 फीसदी बढ़ चुके है। सेब की प्रति पेटी लागत बढ़ने से बागवान खासे परेशान हैं। सेब सीजन के रफ्तार पकड़ते ही पैकिंग ट्रे के दामों में फिर बढ़ोतरी हो गई है। बीते माह 700 रुपये बंडल बिक रही ट्रे इस महीने 45 रुपये महंगी हो कर 745 रुपये पहुंच गई है।

कई क्षेत्रों में पैकिंग ट्रे के दाम 780 रुपये प्रति बंडल तक चल रहे है। जुलाई माह के लिए इसी हफ्ते नए दाम तय होने हैं जिसमें और अधिक इजाफा होने का अनुमान है। बीते साल के मुकाबले इस साल पहले ही कार्टन के दाम करीब 18 फीसदी बढ़ चुके हैं। सेब की प्रति पेटी लागत बढ़ने से बागवान खासे परेशान हैं। सेब पैकिंग के लिए बागवान अधिकतर मोहन फाइबर की ट्रे का इस्तेमाल करते हैं। मोहन फाइबर के पैकिंग ट्रे का दाम 745 रुपये पहुंच गया है। इस महीने दामों में और अधिक बढ़ोतरी होने का अनुमान है। मोहन फाइबर के एरिया मैनेजर का कहना है कि रद्दी की कीमत 18 से 34 रुपये किलो पहुंच गई है, रशिया यूक्रेन से रद्दी का आयात बंद हो गया है। चावल के छिलके और केमिकल की कीमतें दोगुनी हो गई है, ट्रांसपोर्टेशन भी महंगा हुआ है जिसके कारण ट्रे की कीमतें बढ़ी हैं। सेब की एक पेटी में अमूमन छह ट्रे इस्तेमाल होती हैं। एक बंडल में 100 ट्रे होती हैं। कीमतें बढ़ने के बाद एक ट्रे सात से आठ रुपये में पड़ रही है। एक पेटी में 48 रुपये की सिर्फ ट्रे इस्तेमाल हो रही है। कार्टन और ट्रे की कीमतें बढ़ने से सेब की प्रति पेटी लागत में भारी इजाफा हुआ बागवान बोले, सरकार ने भगवान भरोसे छोड़ा संयुक्त किसान मंच के संयोजक संजय चौहान का कहना है कि निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार किसान बागवानों की अनदेखी कर रही है। कार्टन और ट्रे की कीमतों पर नियंत्रण खत्म कर बागवानों को निजी कंपनियों के रहमोकरम पर छोड़ दिया गया है। बखोल कोटखाई के बागवान मनोज चौहान का कहना है कि कार्टन और ट्रे की कीमतें अनियंत्रित तरीके से बढ़ रही है। सरकार ने बागवानों को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। कार्टन और ट्रे की कीमतें नियंत्रित करने के लिए सरकार को तुरंत कड़े कदम उठाने चाहिए। रोहड़ू के बागवान राजन काल्टा का कहना है सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का बागवानों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया है। ट्रे की कीमतों में मनमानी बढ़ोतरी की जा रही है।

आंखों के सामने अपनों को तड़पते देख पसीज गया हर किसी का दिल एक ही गांव के चार लोगों की मौत हादसे ने पत्नी-बेटी को छीना

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के शैंशर बस हादसा कई परिवारों को ताउम्र के लिए जख्म दे गया। हादसे के बाद परिवार के सदस्यों को आंखों के सामने तड़पता देख हर किसी का दिल पसीज गया। धारठा गांव के जीतराम की सैंज स्कूल आ रही बेटी अनीता भी

हादसे में दम तोड़ चुकी थी। विज्ञान संकाय की होनहार छात्रा रविवार की छुट्टी मनाने घर आई थी। तुंग गांव के प्रेम चंद पर भी हादसा कहर बनकर टूटा। हादसे में उनकी पतने पार्वती और बेटी तनु की मौत हो गई। देहुरीधार पंचायत के तुंग गांव में सननटा पसरा रहा। इस गांव के चार लोग अब कभी लौटकर नहीं आएंगे। गांव के 70 वर्षीय फतेह चंद और 21 वर्ष के सुशील कुमार भी हादसे का शिकार हो गए। शैंशर में मजदूरी कर परिवार का पालन पोषन कर रहे पंच बहादुर का 16 साल का बेटा आकाश अपनी मां राखी के साथ रोपा जा रहा था। घर से कुछ ही दूरी पर दोनों उससे हमेशा के लिए बिछड़ गए। बजाहरा गांव के अजवीर सिंह के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। हादसे में दम तोड़ने वाली उसकी 28 साल की पतने झाबलू देवी थीं। झाबलू को बस के नीचे से साढ़े तीन घंटे के बाद निकाला गया उस समय उसकी सांसें चल रही थीं। सैंज अस्पताल लाते समय रास्ते में अजवीर की बाहों में उसने साथ छोड़ दिया। सभी लोगों का पोस्टमार्टम कर दिया गया है। दोपहर बाद तुंग गांव एक साथ चार चिताओं को अगिन दी गई। हादसे की सूचना मिलते ही सैंज स्थित सीआईएसएफ की इकाई पीएचईपी-तीन कुल्लू ने मुस्तैदी दिखाते हुए बचाव कार्य में सहयोग किया। इकाई प्रभारी सहायक कमांडेंट शिव प्रकाश की अगुवाई में बल के 24 सदस्यों की टीम घटनास्थल पर तुरंत पहुंची और मोर्चा संभाला। स्थानीय लोगों ने टीम का आभार प्रकट किया है। बता दें कि सैंज के शैंशर में सुबह 08:30 पर एक निजी बस दुर्घनाग्रस्त हुई। हादसे का कारण बस के स्किड होने के साथ-साथ सड़क का डंगा धंसना भी बताया जा रहा है। रविवार रात को हुई बारिश के कारण हादसे वाली जगह में भूस्खलन हुआ था। जिससे मलबा व पत्थर सड़क पर आ गया। सुबह जब बस कुल्लू की आरे आ रही थी तो बस पहले मलबे में स्किड हो गई और डंगा धंसने के साथ नीचे गिर कर दूसरी सड़क पर पहुंच गई। हालांकि इससे पहले यहां से दो से तीन बसें निकल चुकी थीं, लेकिन मलबा आने के कारण सड़क भी तंग हो गई है।

सुनेहत में अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई कार, चार घायल

देहरागोपीपुर। पुलिस थाना देहरा के तहत सोमवार सुबह मुबारिकपुर-रानीताल राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर सुनहेत में कार सफेदे के पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार सवार चार लोग घायल हुए हैं। घायलों की पहचान राम प्रसाद (62), सुषमा (55), शिवम शर्मा (31) और पूनम शर्मा (28) निवासी राजपुरा पालमपुर के रूप में हुई है। जानकारी अनुसार राम प्रसाद अपनी पतनै, पुत्र व बहू के साथ नौहरनपुखार आए थे। सोमवार सुबह पालमपुर जाते समय सुनहेत में कुत्ते को बचाने के चक्कर में गाड़ी अनियंत्रित होकर सफेदे के पेड़ से टकरा गई। घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल देहरा पहुंचाया गया जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उधर, डीएसपी देहरा अंकित शर्मा ने पुष्टि की है।

उतार-चढ़ाव के बीच पूरा हुआ धामी का एक साल तीन साल के विकास के रोडमैप पर बढ़ाए कदम

नई दिल्ली। चार जुलाई 2021 को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने जब उन्हें सत्ता की कमान सौंपी थी, तब अचंभे के साथ उनके नेतृत्व कौशल पर सवाल भी उठे। पार्टी ने एक ऐसे युवा के हाथों में बागडोर सौंपी जिसे मंत्री पद का भी अनुभव नहीं था चुनौतियां बेशुमार थी क्योंकि कोविड की दुश्वारियों ने राज्य की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी थी। दो कार्यकालों को जोड़कर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पुष्कर सिंह धामी को आज पूरा एक साल हो गया। इस दौरान धामी ने सत्ता और सियासत के कई रंग देखे। कोविड की दुश्वारियों के बीच राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की चुनौती का सामना किया। उत्तराखंड को श्रेष्ठ राज्य बनाने का संकल्प लेने तक के उनके अब तक के इस सफर में काफी उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। चार जुलाई 2021 को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने जब उन्हें सत्ता की कमान सौंपी थी, तब अचंभे के साथ उनके नेतृत्व कौशल पर सवाल भी उठे। पार्टी ने एक ऐसे युवा के हाथों में बागडोर सौंपी जिसे मंत्री पद का भी अनुभव नहीं था। चुनौतियां बेशुमार थी क्योंकि कोविड की दुश्वारियों ने राज्य की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी थी। राज्य की विकास दर शून्य से नीचे पहुंच चुकी थी। विधानसभा चुनाव की चुनौती भी सामने थी। इन परिस्थितियों में

धामी ने दर्जनों लोकलुभावने फैसले लिए। वो सरकारी विभागों में खाली 22 से 24 हजार पदों को भरने का इरादा हो या कोविड से तबाह विभिन्न वर्गों को राहत देने का फैसला या फिर विकास योजनाओं से जुड़े फैसले, सीएम की ओर से ताबड़तोड़ सौगातें बरसीं। मुख्यमंत्री के रूप में धामी दूसरी पारी के 100 दिन पूरे कर चुके हैं।जानकारों का मानना है कि दूसरी पारी में वह धीमी किंतु सधी चाल से चल रहे हैं। समान नागरिक संहिता, वृद्ध दंपत्तियों को पेंशन, पेंशन बढ़ोतरी, शौर्य पुरस्कारों की राशि बढ़ाने के अलावा मुख्यमंत्री कई और फैसले ले चुके हैं। जानकारों का मानना है कि धामी का हर फैसला उत्तराखंड को श्रेष्ठ राज्य बनाने का संकल्प है। 200 फैसले लिए पहली पारी में धामी ने मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पहली पारी में धामी ने करीब 200 से अधिक लोक हित से जुड़े फैसले किए, जिन्हें विपक्ष ने चुनावी करार दिया था। विधानसभा चुनाव आए और जनता ने धामी के नेतृत्व में चल रही सरकार के पक्ष में जनादेश दिया। 47 सीटों के साथ भाजपा सत्ता पर काबिज हुई, लेकिन धामी खटीमा विधानसभा सीट से चुनाव हार गए। उनके चेहरे पर चुनाव लड़कर भाजपा सत्ता में काबिज हुई, लिहाजा पार्टी नेतृत्व ने उन्हीं के नेतृत्व पर भरोसा जताया। चंपावत उपचुनाव में 93 फीसदी वोट लेकर धामी ने जीत का नया कीर्तिमान बनाया विकास की आधारशिला रखी : धामा हमने एक साल में विकास की आधारशिला रखने का काम किया है। हम कोरोनाकाल की चुनौतियों से उबरे और राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाए। यह उतना आसान नहीं था। जनता ने हमें जनादेश दिया। हमें सेवा करने का जो मौका मिला है, इसमें हमारी कोशिश रहेगी कि बातें कम हों और काम ज्यादा हो। सभी विभागों को अगले तीन साल के विकास का रोडमैप बनाने को कहा गया है। रोडमैप के आधार पर हर विभागीय योजना की मैं खुद समीक्षा करूंगा। कोशिश रहेगी कि राज्य के हर नागरिक की विकास में भूमिका हो। हमने राज्य का बजट तैयार करने से इसकी शुरुआत की है।

इस शुक्रवार बड़े पर्दे पर होगी दो वैज्ञानिक के बीच टक्कर, कौन मारेगा बॉक्स ऑफिस पर बाजी

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर अक्सर शुक्रवार को एक दो फिल्मों के बीच टक्कर हो ही जाती है। इनमें कोई बाजी मार ले जाती है तो कोई मात खा जाती है, लेकिन इस बार टिकट खिड़की पर ये भिड़ंत जरा हटकर होने जा रही है। इस बार बड़े पर्दे पर जो दो फिल्में रिलीज होने जा रही हैं उनका एक दूसरे से खास कनेक्शन है। दोनों फिल्मों का यह जुड़ाव जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। तो आइए जानते हैं आखिर दोनों फिल्मों के बीच कौन सी चीज कॉमन है। ऊपर की लाइन पढ़कर अगर आपको भी दोनों फिल्मों के बीच कनेक्शन जानने की उत्सुकता है तो हम इस राज से पर्दा उठा देते हैं। दरअसल, बॉक्स ऑफिस पर इस शुक्रवार को आर माधवन की 'रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट' रिलीज हो रही है। वहीं, इसके साथ आदित्य रॉय कपूर की फिल्म 'राष्ट्र कवच ओम' भी सिल्वर स्क्रीन पर दस्तक दे रही है। दोनों ही फिल्मों में समानता ये है कि दोनों की कहानी भारतीय वैज्ञानिक के इर्द गिर्द बुनी गई है। रॉकेट्री में माधवन मशहूर वैज्ञानिक नांबी नारायण की भूमिका में हैं जबकि आदित्य की फिल्म में जैकी श्रॉफ भारतीय वैज्ञानिक का किरदार निभा रहे हैं। जहां एक ओर माधवन की फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित हैं वहीं दूसरी फिल्म पूरी तरह से काल्पनिक है। एक जुलाई को रिलीज होने वाली दोनों फिल्मों की यूं तो टारगेट ऑडियंस काफी अलग है लेकिन फिर अगर दोनों की तुलना करें तो 'रॉकेट्री' 'राष्ट्र कवच ओम' पर भारी पड़ सकती है। इसकी दो वजह है। पहली वजह माधवन जैसे संजीदा एक्टर जो शानदार कहानी के आधार पर फिल्मों का चयन करते हैं और दूसरी ये कि फिल्मों में कई बड़े सितारों की मौजूदगी इसे निर्णायक बढ़त दिला सकती है। हालांकि आदित्य की फिल्म में भी वो सारे मसाले मौजूद है जो किसी भी फिल्म को हिट बनाने का दम रखते हैं। माधवन की फिल्म रिलीज से पहले ही काफी सुखियां बटोर चुकी है। देश ही नहीं यह विदेश में झंडे गाड़ चुकी है। कान फिल्म फेस्टिवल में स्क्रीनिंग के बाद इस फिल्म के लिए लोगों ने खड़े होकर तालियां बजाई जो एक बड़ी उपलब्धि है। इस फिल्म से माधवन निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे है। वहीं राष्ट्र कवच ओम का निर्देशन कपिल वर्मा ने किया है। कपिल इससे पहले कई फिल्मों में बतौर सहायक काम कर चुके हैं। यह उनकी भी डेब्यू फिल्म है।

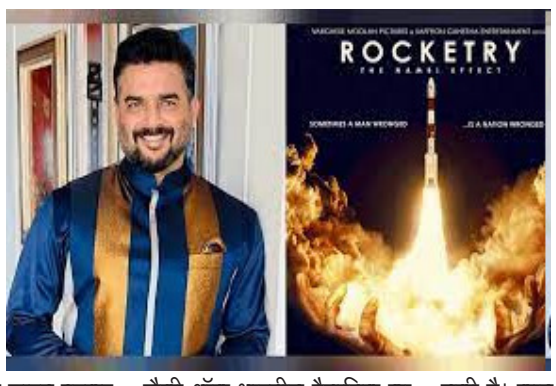

फिल्म 'बिंबिसार' का ट्रेलर आउट, खूंखार अंदाज में नजर आए नंदमुरी कल्याण राम

नई दिल्ली । फिल्म 'बिंबिसार' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह बेहद शानदार है। बता दें कि एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले बन रही 'बिंबिसार' एक तेलुगू फिल्म है। यह फिल्म 05 अगस्त 2022 को रिलीज होगी। इसमें अभिनेता नंदमुरी कल्याण राम, राजा बिंबिसार का किरदार अदा कर रहे हैं। यह फिल्म मगध साम्राज्य के सम्राट बिंबिसार पर आधारित है। इसे मल्लीदी वशिष्ठ ने लिखा है और वही इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। बता दें कि यह ट्रेलर तेलुगू भाषा में रिलीज हुआ है। ट्रेलर के शुरुआत में एक बच्चे की आवाज सुनाई देती है, जो अपने पिता से प्रश्न करता है, 'हम कहां जा रहे है?' पिता उत्तर देते है, 'उस साम्राज्य में, जहां सम्राट बिंबिसार का साम्राज्य है।' इसके बाद बिंबिसार के किरदार में कल्याण राम कहते सुनाई देते है, 'रावण की एक छवि राक्षसों ने कभी नहीं देखी'। 'बिंबिसार डेथ वारंट का पर्यायवाची है।' ट्रेलर में बिंबिसार के समानांतर एक और कहानी चलती नजर आ रही है, जिसमें एक आधुनिक नौजवान को दिखाया गया है। इसे देखकर लग रहा है कि यह फिल्म दो समयों की कहानी को पेश करेगी। ट्रेलर में अभिनेता कल्याण राम इ्यूल शेड्स में नजर आ रहे है। एक तरफ उन्हें एक क्रूर योद्धा के रूप में पेश किया गया है तो वहीं दूसरी तरफ वह एक आधुनिक समय के जोशीले नौजवान के रूप में नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने ट्रेलर को इस अंदाज में बनाया है कि इसे देखकर फिल्म के प्रति उत्सुकता जागती है। ट्रेलर में कुछ सीन ऐसे हैं, जो राजा बिंबिसार के समय के साथ शुरू होते हैं और आधुनिक दुनिया पर आकर खत्म होते हैं।

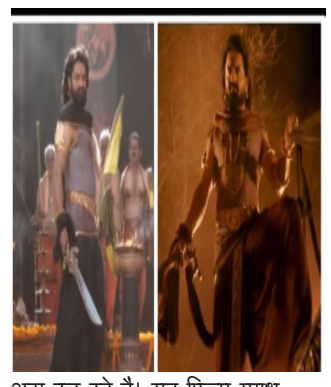

खेसारी लाल यादव का नया गाना 'ब्रांडेड लइका' रिलीज, फैंस को भायी पूजा संग एक्टर की केमिस्ट्री

नई दिल्ली । हाल ही में रिलीज हुए नए भोजपुरी सॉन्ग ब्रांडेड लइका रिलीज होने के बाद से ही यूट्यूब पर धमाल मचा रहा है। इस गाने को सोशल मीडिया यूजर्स काफी पसंद कर रहे हैं। यही वजह है कि कुछ समय पहले ही रिलीज हुए इस गाने को यूट्यूब पर अब तक लाखों लोग देख चुके हैं। खेसारी लाल लाल यादव का यह नया गाना अनन्पूर्णा फिल्म के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। गाने में खेसारी लाल यादव का अंदाज उनके फैंस का दिल जीत रहा है। खेसारी लाल यादव कि इस गाने को खुद खेसारी लाल ने अपनी आवाज दी है। वहीं उनके साथ शिवानी सिंह भी इस गाने में सुर से सुर मिलाती नजर आ रही हैं। इसके लिरिक्स की बात करें तो अखिलेश कश्यप पर पंकज वसुधरी ने इस गाने को लिखा है। जबकि इसे संगीत जेपी तिवारी ने दिया है। साथ ही इससे कंपोज शुभम तिवारी ने किया है और गाने का निर्देशन आशीष सत्यार्थी द्वारा किया गया है। अपने इस नए गाने के साथ ही खेसारी लाल एक बार फिर इंटरनेट पर छा गए है। उनके नए गाने ब्रांडेड लाइका में खेसारी शानदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। काले रंग वेज आउटफिट में खेसारी बेहद हैंडसम लग रहे हैं, जबकि उनके साथ भोजपुरी एक्ट्रेस पूजा अपनी खूबसूरती से इस गाने में चार चांद लगा रही हैं। फैंस उनके गाने बेहद पसंद करते हैं। सोशल मीडिया यूजर्स अक्सर उनके गानों पर रील्स बनाते भी नजर आते हैं।

कैमरे के सामने टॉपलेस हुई उर्फी जावेद, कातिलाना अंदाज में गिराई बिजलियां

नई दिल्ली । सिनेमा जगत की बोल्ड बाला उर्फी जावेद अपने लुक से हर बार लोगों को हैरान कर देती हैं। उर्फी का फैशन सेंस लोगों के होश उड़ा देता हैं। वह अक्सर कुछ ऐसा पहन लेती है, जिससे लोग अभिनेत्री को ट्रोल किए बिना भी रह नहीं पाते। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है। उर्फी की बोल्डनेस देखकर आपके होश उड़ने वाले हैं। उर्फी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अभिनेत्री देखा जा सकता है कि उर्फी ने डेनिम पहनी हुई है लेकिन अभिनेत्री ने अपनी जींस का बटन खोल रखा है और उर्फी ने हाथ में अखबार पकड़ रखा है। वीडियो को देखकर ऐसा लग रहा है कि वह अखबार की मदद से अपना शरीर छुपाने ने अपने शरीर को अखबार से ढक रखा है। उर्फी जावेद ने अपना ये वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वह फोटोशूट के लिए पोज देती दिख रही है। वीडियो में की कोशिश कर रही हैं। इस अखबा पर लिखा है, 'वास्तविक बने रहें।' उर्फी जावेद का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और इस पर सोशल मीडिया यूजर्स जमकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है। एक यूजर ने उर्फी का मजाक उड़ाते हुए लिखा, 'कितने का दिया।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'तुम्हें बड़े होने की जरूरत है।' इसी तरह एक यूजर ने लिखा, 'हॉटनेस की भी हद होती है। आप तो क्रॉस कर रही हो।' उर्फी जावेद ने इससे पहले सोशल मीडिया पर अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह अपने गले में जंजीरों से बना टॉप और ब्लैक नेट की शॉर्ट ड्रेस पहने नजर आ रही थीं। उर्फी का यह लुक काफी चर्चा में रहा था। उर्फी ने बताया था कि कैसे इस ऑउटफिट को पहनने के बाद उन्हें चोट लगी थी। तस्वीर में जंजीरों की वजह से उर्फी के गले पर लगी चोट साफ दिखाई दे रही है। हालांकि, उर्फी को इस लुक की वजह से भी ट्रोल होना पड़ा था।

कैसी है फिल्म की कहानी, कहां हुई शूटिंग, क्या डबल रोल में नजर आएंगे रणबीर कपूर जानिए सबकुछ

नई दिल्ली । बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर की फिल्म 'शमशेरा' का टीजर रिलीज हो चुका है। फिल्म 'संजू' के चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे रणबीर कपूर का क्रेज इस कदर है कि करण मल्होत्रा के निर्देशन में बनी इस फिल्म के टीजर को 24 घंटों में ही 2 करोड़ से ज्यादा लोगों ने देख लिया है। अब यश राज फिल्म्स 'शमशेरा' का ट्रेलर रिलीज करने की तैयारियों में जुट गए हैं। आज यानी 24 जून को दुनियाभर में संजय दत्त और वाणी कपूर अभिनीत फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने वाला है। लोगों की उत्सुक्ता को देखते हुए हम ट्रेलर के लॉन्च होने से पहले फिल्म की कहानी से लेकर इसकी स्टार कास्ट तक की जानकारी देने जा रहे हैं। पढ़िएष्ठ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'शमशेरा' एक डाकू की नहीं, बल्कि 1800 के दशक में अपने अधिकारों और अंग्रेजों से स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ने वाली डकैट जनजाति की कहानी है। यह वीरता की एक अद्भुत कहानी है। एक खतरनाक लेकिन रौबदार डाकू और एक डेरा लेकर गांव गांव घूमने वाली नचनिया की प्रेम कहानी है। फिल्म 'शमशेरा' में रणबीर कपूर डबल रोल में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रणबीर कपूर फिल्म में नायक की भूमिका निभाने के साथ-साथ पिता के रूप में भी दिखाई देने वाले हैं। बता दें कि रणबीर कपूर के 12 साल के लंबे करियर में यह पहली बार है जब अभिनेता डबल रोल में नजर आएंगे। करण मल्होत्रा द्वारा निर्देशित 'शमशेरा' में पहली बार संजय दत्त के साथ रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में एक तरफ जहां संजय दत्त एक शत्रु का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे, वहीं दूसरी तरफ वाणी कपूर नचनिया के रूप में नजर आएंगी। खबरों की माने तो वाणी ने इस फिल्म में अपनी भूमिका के लिए कथक की स्पेशल ट्रेनिंग ली है। इतना ही नहीं, वाणी को अनोखे अंदाज में संवाद बोलने की प्रशिक्षण देने के लिए अवध से एक खास ट्रेनर भी बुलाया गया था। रणबीर कपूर और वाणी कपूर की फिल्म की शूटिंग लद्दाख में हुई है। बता दें कि केंद्र शासित प्रदेश घोषित होने के बाद 'शमशेरा' लद्दाख में शूट की जाने वाली पहली फिल्म है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए रणबीर ने कथित तौर पर 20 करोड़ रुपये, संजय ने 8 करोड़ रुपए, वाणी कपूर ने 5 करोड़ रुपये और रोनित रॉय ने 4 करोड़ रुपये की फीस ली है।

ऑस्कर विजेता ने 'आरआरआर' पर की विवादित टिप्पणी, फिल्म को बताया 'गे लव स्टोरी'

नई दिल्ली । ऑस्कर विजेता साउंड डिजाइनर रेसुल पुकुट्टी इन दिनों सुखियों में आ गए है। ट्विटर पर एसएस राजामौली की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आरआरआर' पर विवादित टिप्पणी करने के बाद उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में रेसुल ने एक ट्वीट के जरिए फिल्म को गे लव स्टोरी बताया था। साथ ही उन्होंने फिल्म की एक्ट्रेस आलिया भट्ट को प्रॉप भी बताया था। फिल्म को लेकर किए गए ये कमेंट लोगों को पसंद नहीं आए और उन्हें जमकर ट्रोल किया जाने लगा। दरअसल, अभिनेता-लेखक मुनीश भारद्वाज ने रविवार को एक ट्वीट कर 'आरआरआर' को 'कचरा' बताया था। उन्होंने ट्वीट किया, 'कल रात आरआरआर नामक 30 मिनट का कचरा देखा।' इस पर ऑस्कर विजेता साउंड डिज़ाइनर ने जवाब देते हुए 'गे लव स्टोरी' लिख दिया। इस जवाब पर नेटिजंस उन्हें जमकर ट्रोल करने लगे। विवाद बढ़ता देख रेसुल ने इस ट्वीट पर सफाई देने की भी कोशिश की है। रेसुल पुकुट्टी को आरआरआर पर अपने कमेंट की वजह से भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। रिप्लाई का बटन डिसेबल करने के बाद भी उन्हें यूजर्स जमकर खरी-खरी सुना रहे हैं। इस ट्वीट के वायरल होने के बाद अब उन्होंने इस पर सफाई भी दी है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों में लोग इस फिल्म के बारे में ऐसा कहते है मैंने बस इसे उद्धृत किया है।' बता दें कि नेटफ्लिक्स पर आरआरआर के रिलीज होने के तुरंत बाद, पश्चिमी दर्शकों ने आरआरआर को समलैंगिक रोमांस बताया था।

अपने ही परिवार के खिलाफ बोलेगी अनुपमा की बेटी गुंडों से बचकर भागने की कोशिश करेगा आर्यन

नई दिल्ली। बॉलीवुड को लेकर लोग जितने एक्साइटेड रहते है, उतना ही क्रेज दर्शकों में टीवी सीरियल्स को लेकर रहता है। सीरियल में मेकर्स हर रोज कोई न कोई नया हंगामा नया ट्विस्ट लेकर आते ही रहते हैं, जिसके चलते दर्शकों में अगला एपिसोड देखने की एक्साइटमेंट बनी रहती है। अनुपमा और इमली में इस समय माहौल काफी गर्म चल रहा है, जहां आर्यन को किडनैप किया गया है, वहीं किंजल की गोद भराई चल रही है, तो चलिए जानते हैं कि क्या है आज का सीरियल अपडेट। इस समय सीरियल अनुपमा में किंजल की गोद भराई का फंक्शन चल रहा रहा है, लेकिन इसी बीच वनराज की एंट्री होती है और वह अपनी बेटी पाखी और अधिक को एक दूसरे के क्लोज देखकर अपना आपा खो देता है और आने वाले एपिसोड में खूब हंगामा देखने को मिलने वाला है, क्योंकि वनराज अधिक को पीटते हुए सबके सामने लाता है। वहीं अनुपमा की बेटी पाखी अपने ही परिवार के खिलाफ खड़ी नजर आएगी। सीरियल इमली के मौजूदा ट्रैक में हाईवोल्टेज ड्रामा चल रहा है क्योंकि आर्यन का किडनैप हो गया है। आने वाले एपिसोड में आर्यन गुंडों से बचकर भागने की कोशिश करता है लेकिन वह उसे इंजेक्शन लगा देते हैं, जिसके बाद आर्यन बेहोश हो जाता है। सीरियल 'गुम है किसी के प्यार में' के अगले एपिसोड में विराट सई के लिए स्टैंड लेता नजर आएगा। जब भवानी सई पर उसके कर्तव्यों से कतराने का आरोप लगाती है, तो विराट उसका बचाव करता है। विराट नाखुश है क्योंकि वह सई से किए गए वादे को निभाने में विफल रहा। सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है, में अभिमन्यु के संजय नाम के गुंडे का पता चलता है, जिसने अक्षरा को परेशान किया था। इसके अलावा सीरियल में आगे दिखाया जाएगा कि अस्पताल में आग लग जाती है लेकिन अक्षरा इसी बीच अपनी शादी का ब्रेसलेट ढूंढती है।

14 साल में इतनी बदल गई हैं बालिका वधू की छोटी सी आनंदी, देखिए अविका गौर की अब और पहले की तस्वीरें

नई दिल्ली। साल 2008 में कलर्स टीवी के सीरीयल 'बालिका वधू' में आनंदी का किरदार निभाने वाली अविका गौर ने अपनी चुलबुली और मासूमियत भरी बातों से लोगों के दिलों में अलग खास पहचान बनाई थी। इसके बाद भी अविका ने कई सीरियल्स में काम करके टीवी की दुनिया में खूब नाम कमाया है। 30 जून यानी आज अविका गौर अपना 24 वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। तब से लेकर अब तक अविका गौर के लुक में भी काफी बदलाव देखने को मिला है। छोटी सी आनंदी क्यूट अब बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस लगती हैं। तो चलिए देखते हैं उनकी अब की और पुरानी तस्वीरें। साल 2008 में बालिका वधू में अविका गौर बेहद छोटी थीं और इस सीरियल में उन्होंने एक ऐसी लड़की का किरदार अदा किया था, जिसकी शादी बचपन में ही हो जाती है। इस सीरियल को राजस्थान की पृष्ठ भूमि पर दिखाया गया था, इसलिए सभी कलाकारों समेत अविका भी भारी गहनों और लंहगा चुनरी में दिखाई देती थीं। बालिका वधू के बाद अविका गौर साल 2011 में ससुराल सिमर का सीरियल से भी काफी फेमस हुईं। इस सीरियल में उन्होंने दीपिका कक्कर यानी सिमर की बहन रोली का किरदार अदा किया था। इस समय भी अविका काफी छोटी थीं। उनकी जोड़ी को भी काफी पसंद किया गया। इस सीरियल से ही एक्ट्रेस की पॉपुलैरिटी में और ज्यादा इजाफा देखने को मिला।अविका गौर ने सीरियल्स के अलावा कई रियलिटी शौज जैसे 'फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी सीजन 9', बॉक्स क्रिकेट लीग सीजन 2! इन शोज में भी उनके लुक में काफी बदलाव देखने को मिला। इसके अलावा अब वह बॉलीवुड में भी अपनी नई पारी खेलने के लिए तैयार हैं। फिलहाल अपिका सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी एक से बढ़कर एक तस्वीरें शेयर करती हैं।अविका गौर ने अपनी वेट लॉस जर्नी भी साझा की थी, दरअसल एक समय में उनका वजन बेहद बढ़ गया था। इसके बाद अविका ने बताया था कि उन्होंने अपने वर्क आउट पर ध्यान देना बंद कर दिया था, लेकिन जब उन्हें इसका एहसास हुआ तो उन्होंने जमकर मेहनत की और उनकी मेहनत रंग लाई। अब की तस्वीरों में वह बेहद ग्लैमरस और फिट नजर आती हैं।

डिजिटल डेब्यू के लिए तैयार सुनील शेट्टी, लोगों के सामने लाएंगे झुग्गियों की अनकही कहानी

नई दिल्ली। एमएक्स प्लेयर जल्द ही दर्शकों के लिए 4 लाख की आबादी वाले एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी धारावी पर वेब सीरीज लेकर आ रहा हैं। इस सीरीज का नाम 'धारावी बैंक' है। शो में कई बड़े सितारे नजर आने वाले हैं। इस सीरीज में सुनील शेट्टी दमदार किरदार में नजर आने वाले हैं। दावा किया जा रहा है कि सुनील का ऐसा रूप दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा। मेकर्स का दावा है कि उनकी यह सीरीज लोगों को जरूर पसंद आएगी। इस क्राइम और थ्रिलर बेस्ड सीरीज में सुनील शेट्टी के अलावा विवेक ओबेरॉय और एक्ट्रेस सोनाली कुलकर्णी भी दिखाई देने वाली हैं। इससे पहले विवेक कई वेब सीरीज में नजर आ चुके हैं। जानकारी के मुताबिक सीरीज में दोनों ही एक्टर्स के किरदार लोगों को हैरान कर देंगे। इस सीरीज की अधिकांश शूटिंग धारावी इलाके और वहां बसी हुई झोपड़ियों में हुई है। अपराध और रहस्य से भरी हुई इस वेब सीरीज का निर्देशन सुमित कक्कड़ ने किया है। इस अपकमिंग सीरीज के बारे में एमएक्स प्लेयर के चीफ कंटेंट ऑफिसर गौतम तलवार ने बताया कि धारावी बैंक एक ऐसी क्राइम, थ्रिलर और बदले की अनोखी कहानी है जो आपको अंत तक बांध कर रखेगी। इसमें कई ट्विस्ट और टर्न देखने को मिलेंगे जिससे आप अंदाजा नही लगा पाएंगे कि अगले पल क्या होने वाला है। हमने एक पूरा हूबहू माहौल और परिवेश ऐसा बनाया जो हमारी कहानी से मैच हो और इसके लिए हम सभी ने बहुत मेहनत की है। मैं सौभाग्यशाली कि इतने बड़ी कास्ट और क्रू की कड़ी मेहनत और निष्ठा के जरिए ये कहानी लोगों के सामने आ पाएगी।' वर्क फ्रंट की बात करें तो सुनील को साल 2021 में फिल्म मुंबई सागा में गेस्ट अपीरियंस में देखा गया था। इसके अलावा वह साउथ की फिल्म मरक्कड़ः लॉयन द अरेबियन सी में देखा गया था। साथ ही वह तेलुगू फिल्म मोसागल्लु में भी काम कर चुके हैं। दोनों ही फिल्मों में उनके किरदार की खूब तारीफ हुई थी।

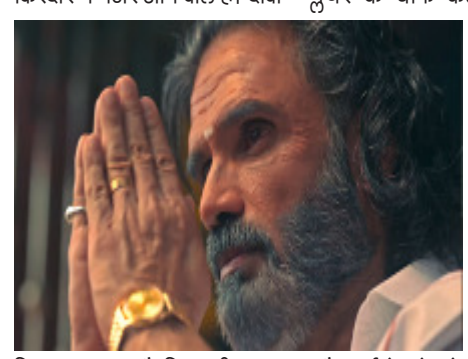

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274